ISSN 2349-6614

जनवरी 2020

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

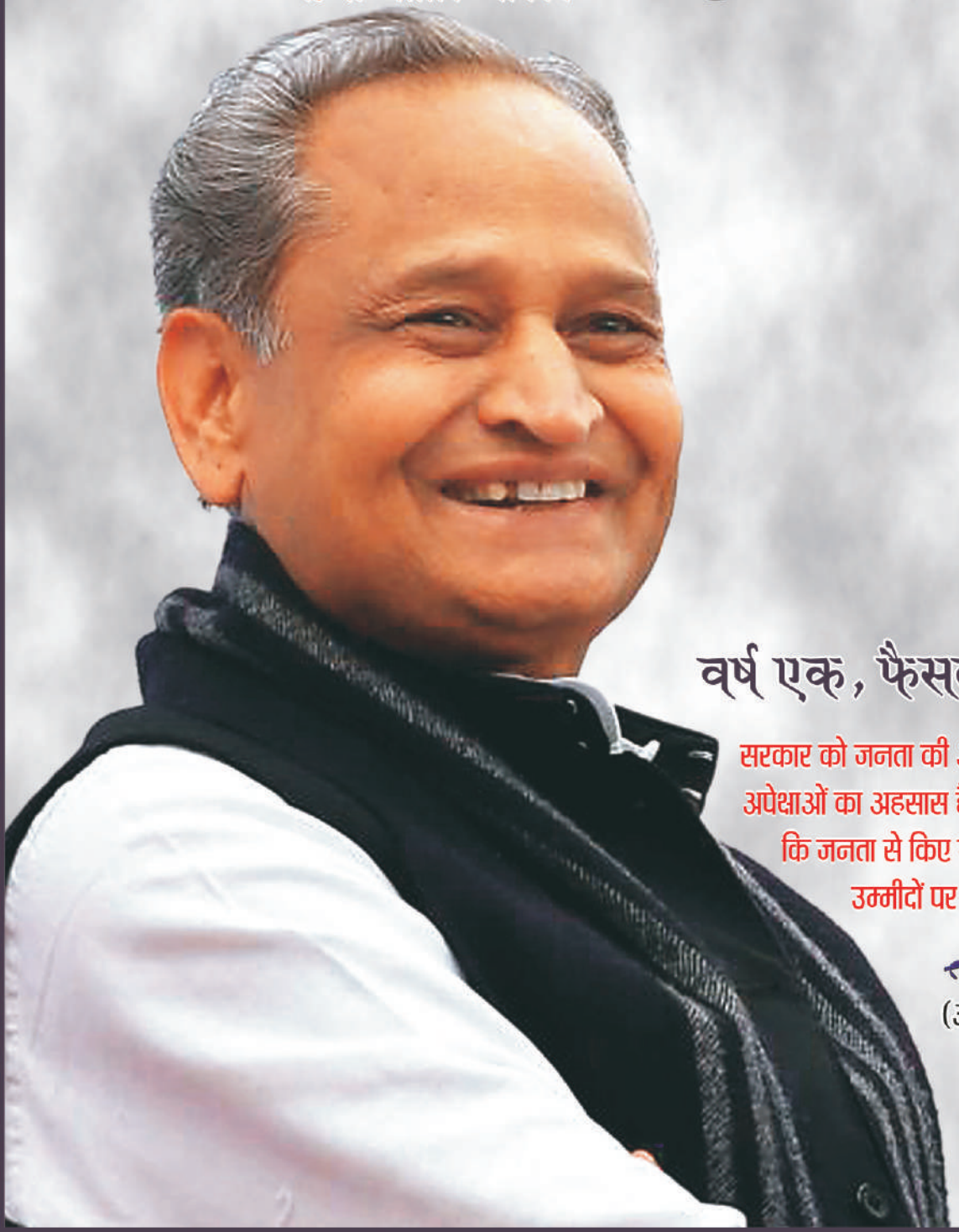

वर्ष एक, फैसले अनेक

सरकार को जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का अहसास है। पूरा प्रयास है कि जनता से किए वादे और उनकी उम्मीदों पर हम खरा उतरें।

(अशोक गहलोत)

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 17 अंक 11 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Chetak Circle, Udaipur

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

Purohit Cafe

A South Indian Food Joint

N. K. Purohit

आपका विश्वास ही हमारी पहचान

वर्ष 1970 से 1980 तक दुबई में तथा 1981 से 1986 तक लंदन-अमेरिका में सफल सेवाओं के बाद अब 1987 से उदयपुर शहर में

(तीन दशक से आपके विश्वास पर खरा सिद्ध)

❊ कैफे में पधारकर एक बार सेवा का मौका अवश्य देवें। ❊ आप व आपके परिवार की जायकेदार और लाजवाब पसंद, शुद्ध और स्वादिष्ट इडली, डोसा, मसाला और अन्य व्यंजन। ❊ सपरिवार बैठने की व्यवस्था। ❊ पूर्ण रूप से वातानुकूलित, शान्त एवं आरामदायक। ❊ सेवकों द्वारा विनम्र आवभगत।

"Anand Plaza" Nr. Ayad Bridge, University Road,
Udaipur (Raj.) 313 001 Ph. : 0294-2429635
Visit us : www.purohitcafe.com

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर
मदन, भूमिका, उषा
चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313001

नववर्ष 2020 सबके लिए
शुभ और मंगलमय हो
हार्दिक शुभकामनाएं

जनवरी
2020
वर्ष 17, अंक 11

प्रत्यूष

अन्दर के पृष्ठों पर...

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

12 मंथन

सुप्रीम कोर्ट का अपने ही खिलाफ़ फैसला

21 चिंतनीय

करोड़ों की आबादी पर प्रदूषण की चादर

26 उत्सव

हृदय में आनंद तो 'वसंत' भी आपके आसपास

29 ध्यानाकर्षण

चुनावी बॉण्ड बहुत बड़ा स्कैन्डल

34 राम-मंदिर

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती के पीछे मंशा क्या है?

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

SANDAL JEWELLERS

We are deal only hallmark Jewellery **Gold purity 91.6 22/22K**

Exclusive light weight Gold Jewellery

1. Government Approved Jewellery
2. Gold purity testing by carat machine.
3. Swarn yojana deposit scheme starting at 1000 rupees pay 11 installment and get 1 installment free & pay 21 installment and get 3 installment free free free

INTERNATIONAL GEMOLOGICAL INSTITUTE

Exclusive light weight Diamond Jewellery

1. All Diamonds are tested international Gemological Institute tested (IGI).
2. Exclusive design Jewellery High category Diamond Purity vvs, vs (Super deluxe, deluxe) & colour F, G, H (white & offwhite)

Head Office:
Sandal Jewellers
677-678 Chetak Marg, Udaipur-313001
Phone: 0294-2423533, 2425712, Mobile: 9414168712

Branch Office:
62-Moti Chohatta, Clock Tower
Udaipur (Raj).
Phone: 0294-2421012,
Mobile: 7737792247

समय, समावेशी व सामूहिक जिम्मेदारी का

संसद में नागरिकता संशोधन विधेयक-2019 बहुमत की सीढ़ी चढ़ने में सफल होकर पारित हो गया और अब वह राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ कानून बनने की प्रक्रिया में चला गया है, लेकिन इसे ज़मीनी हकीकत बनने तक अभी लम्बा रास्ता भी तय करना पड़ेगा। अदालती चुनौती का भी इसे सामना करना पड़ सकता है। लोकसभा के बाद जैसे ही इसे राज्यसभा की मंजूरी मिली पूर्वोत्तर भारत में बिल का संगठित और उग्र विरोध शुरू हो गया। जिसमें तोड़फोड और हिंसा की घटनाएं भी हुईं। दरअसल असम सहित पूर्वोत्तर मूल की आबादी नहीं चाहती कि उनके इलाकों में बाहरी व्यक्तियों को बसेरा दिया जाए। नागरिकता संशोधन विधेयक केवल तीन पड़ौसी देशों के मुस्लिमों को ही नागरिकता लेने से रोकता है, किन्तु पूर्वोत्तर भारत की सामाजिक जटिलताएं जिस प्रकार की हैं, वहां इससे कई परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। वहां चिंता इस बात को लेकर है कि बाहर से आकर बसे हिन्दुओं व अन्य पांच अल्पसंख्यक वर्गों को स्थायी नागरिकता से मिलने से मूल आबादी के सामने पहचान का संकट खड़ा हो जाएगा। हालांकि बिल को लोकसभा और उसके बाद राज्यसभा में पेश करते हुए गृहमंत्री ने उनकी इन आशंकाओं को निर्मूल बताते हुए, उनकी भाषा व संस्कृति पर किसी तरह की आंच आने से इनकार किया। ऐसा लगता है कि पूर्वोत्तर तक उनकी बात ठीक से पहुंची नहीं या फिर वहां उत्तेजना पैदा करने की कोई नियोजित साजिश है।

हमारे संविधान में पूर्वोत्तर की कुछ जनजातियों को भी विशेष अधिकार हासिल है यदि यह मान लिया जाए कि देश के सभी क्षेत्र और सभी लोग एक जैसे हैं और सभी पर एक समान कानून लागू होगा, तो ऐसा करना संभव नहीं है, क्योंकि उन्हें सुरक्षा देने और उनकी पहचान बनाए रखने के लिए ऐसा करना ज़रूरी है। यही वजह है कि संविधान की पांचवी और छठी अनुसूची में उनके लिए विशेष व्यवस्था की गई है और उनके इलाके को स्वशासी घोषित किया गया है। यहां तक कि देश के दूसरे नागरिकों को उस क्षेत्र में जाने के लिए परमिट लेने की आवश्यकता पड़ती है। नागरिकता संशोधन विधेयक में भी उनकी स्वायत्तता को सम्मान देने की बात कही गई है।

इस विधेयक में गैर कानूनी प्रवासियों के लिए नागरिकता पाने का आधार उनके धर्म को बनाया गया है। इस बिन्दु पर विवाद छिड़ा है। क्योंकि अगर ऐसा होता है तो यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन होगा, जिसमें समानता के अधिकार की बात कही गई है। गृह मंत्रालय ने छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और दिल्ली में नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 5 और 6 के तहत प्रवासियों को नागरिकता और प्राकृतिक प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए जिला कलेक्टरों को शक्तियां प्रदान की हैं। पिछले ही वर्ष गृह मंत्रालय ने नागरिकता अधिनियम 2009 की अनुसूची में बदलाव भी किया था।

विपक्ष इस कानून के विरोध में संविधान के अनुच्छेद 10 और 14 की पैरोकारी कर रहा है। अब सवाल यह उठता है कि क्या वास्तव में इस कानून से लोगों की नागरिकता को खतरा पैदा हो गया है ? किन्तु एक बात बहुत स्पष्ट है कि इस कानून में कहीं भी किसी की भी नागरिकता को समाप्त करने की बात नहीं है। इसमें ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो कहता हो कि अगर आप आज नागरिक हैं तो कल से नागरिक नहीं माने जाएंगे।

जनता द्वारा चुनी गई संसद द्वारा पारित नागरिकता संशोधन कानून और एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन के निहितार्थ समझ से परे नहीं हैं। लेकिन इन प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली पुलिस की भूमिका को भी जायज नहीं ठहराया जा सकता। जामिया मिलिया विश्व विद्यालय परिसर में कुलपति की आज्ञा के बिना उसका प्रवेश ही उसे सन्देह के घेरे में खड़ा करने के लिए काफी है, लोकतंत्र में जनआन्दोलन अपरिहार्य हैं, लेकिन उसमें हिंसा भी स्वीकार्य नहीं है। ऐसे में सम्बद्ध पक्षों की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। केन्द्र सरकार और उसके गृहमंत्री सहित अन्य मंत्रियों को लोगों को इस मामले पर विश्वास में लेने और उन्हें हिंसा का रास्ता छोड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए जब कि वे कुछ इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक मर्यादा के अनुरूप नहीं है। दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया विश्व विद्यालय और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में हुई हिंसा के दावे और प्रति-दावे इतने उलझाने वाले हैं कि उससे सच की थाह पाना भी आसान नहीं है। इन परिसरों में हिंसा की पहल पुलिस की ओर से हुई होगी, क्या यह मानना ठीक होगा ? यदि कहीं हिंसा का माहौल है और तोड़फोड़ व आगजनी की घटनाएं होने का अन्देशा है तो पुलिस का फर्ज है कि वह उसे नियंत्रित करे, हाँ पुलिस का इस दिशा में उठाया गया कदम अथवा तरीका ज़रूर कुछ लोगों को नागवार लग सकता है। हिंसा को रोकने के लिए पुलिस भी जवाबी हिंसा का इस्तेमाल करती रही है। विश्वविद्यालयों के परिसरों से पुलिस पर पथराव की घटनाओं को नकारते हुए कहा जा रहा है कि यह हालात का लाभ उठाने के लिए मौके पर जमा हुए असामाजिक तत्वों की करतूत थी। यह बात सच भी हो सकती है, ऐसे में पुलिस के सामने पथराव करने और न करने वालों की पहचान भी तो मुश्किल काम था। ऐसे में अपराधियों को कानून के हवाले करवाना क्या उनकी जिम्मेदारी नहीं थी जो पथराव में शामिल नहीं थे। समर्थन, विरोध और आन्दोलन अपनी जगह हैं, लेकिन जब हिंसा हो जाती है, तो उसे रोकने के लिए सरकार, सभी दलों, संगठनों को आगे आना चाहिए। अलीगढ़ या दिल्ली में विश्वविद्यालयों के आसपास होने वाली हिंसा की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रबंधन पर तो ही है, राज्य सरकारों और सामाजिक संगठनों पर भी है। नागरिकता संशोधन कानून पारित हो चुका है। उसमें कमी-खामियों पर संसद के दोनों सदनों पर लम्बी और तीखी बहस भी हो चुकी है। बावजूद इसके, इसे लेकर कोई आपत्ति है और कोई वर्ग प्रभावित हो रहा है तो शांतिपूर्ण तरीके से उस पर बात होनी चाहिए और सरकार को उस पर ध्यान भी देना चाहिए। हिंसा समस्या का कभी अन्तिम हल नहीं हो सकता।

HAPPY NEW YEAR

ठा. सा. टिकमसिंह - श्रीमती चंदाकंवर

फोन : 2584082, मो.: 9414167024

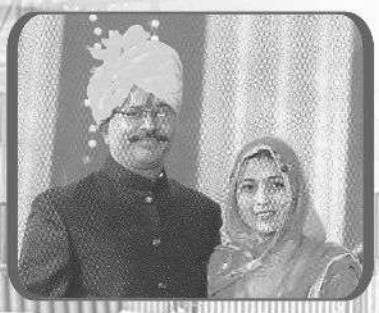

ठा. सा. गिरिराजसिंह
श्रीमती राजश्रीकंवर

ठा. सा. गोविन्दसिंह
श्रीमती मंजुकंवर

कुं. सा. गगनसिंह
श्रीमती रीनाकंवर

UDAIPUR GOLDEN

TRANSPORT COMPANY

Fleet Owner's & Transport Contractor's

HEAD OFFICE :
13, Behind Central Jail,
Udaipur-313001 (Raj.)

Rao Tikam Singh S/o Late Jaswant Singh
Rao Giriraj Singh S/o Late Jaswant Singh
Rao Govind Singh S/o Late Jaswant Singh
Village : Sagwardiya, Dist. Banswara (Raj.)

गहलोत की तीसरी पारी

वर्ष एक, फैसले अनेक

अशोक गहलोत ने राजस्थान में मुख्यमंत्री की अपनी तीसरी पारी का 17 दिसम्बर 2019 को सफल एक वर्ष पूर्ण किया। इस अल्पावधि में सरकार ने कांग्रेस पार्टी द्वारा विधान सभा चुनाव-2018 में जारी अपने जन घोषणा पत्र को नीतिगत दस्तावेज बनाकर जनता से किए गए अनेक वादों को पूरा किया।

कृषक कल्याण, युवा कल्याण, महिला सशक्तिकरण, वृद्धजन कल्याण, दलित, आदिवासी, पिछड़े एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के कल्याण, दिव्यांग कल्याण, सैनिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, अल्पसंख्यक कल्याण, ऊर्जा, सड़क विकास, पेयजल एवं जल संरक्षण, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, उद्योग, व्यापार एवं वाणिज्य, पर्यावरण, मुख्यमंत्री सुरक्षा कोष, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं।

कृषक कल्याण

- पहला फैसला सरकार ने किसानों के हित में करते हुए सहकारी बैंकों के सभी पात्र ऋणी किसानों के 30 नवम्बर, 2018 तक बकाया कुल 9 हजार 513 करोड़ रूपये के अल्पकालीन फसली ऋण पूरी तरह माफ किये। इससे 20 लाख 46 हजार किसानों को राहत मिली।

- लघु एवं सीमान्त किसानों द्वारा भूमि विकास बैंकों एवं केन्द्रीय सहकारी बैंकों से लिये 2 लाख रूपये तक के मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण माफ किए। 24 हजार 908 किसानों की 1.06 लाख बीघा भूमि रहन मुक्त हुई है।
- केन्द्रीय सहकारी बैंकों के माध्यम से 6,523 करोड रूपये के अल्पकालीन फसली ऋण वितरित। सहकारी फसली ऋण ऑनलाईन पंजीयन एवं ऋण वितरण योजना 2019 प्रारम्भ की गई।
- लघु एवं सीमांत वृद्धजन कृषक सम्मान पेंशन योजना 2019 लागू। 75 वर्ष से कम आयु के किसानों को 750 रूपये और 75 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के किसानों को 1000 रूपये प्रतिमाह पेंशन शुरू की गई। योजना के तहत 2 लाख 78 हजार 923 लघु एवं सीमान्त कृषकों को 114.37 करोड़ रूपये दिये जा चुके हैं।
- मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना में 1 फरवरी, 2019 से पशुपालकों को 2 रूपये प्रति लीटर का अनुदान देना प्रारम्भ किया। औसतन 4 लाख दुग्ध उत्पादकों को प्रतिमाह इसका लाभ मिल रहा है। अब तक 148 करोड रूपये का अनुदान दिया जा चुका है।
- अगले 5 वर्षों तक कृषि विद्युत कनेक्शन पर बिजली की दर नहीं बढाने का निर्णय लिया। 1 लाख 15 हजार से अधिक किसानों को नए कृषि कनेक्शन जारी किए गए।

- गौशालाओं को दी जाने वाली राशि में वृद्धि कर प्रति पशु अनुदान राशि बडे पशुओं के लिये 32 से 40 एवं छोटे पशुओं के लिये 16 से 20 रूपये की गई।
- 1000 करोड़ रुपये की राशि से कृषक कल्याण कोष की स्थापना का निर्णय।
- राज्य की मण्डियों में फल एवं सब्जी के क्रय पर 1.50 रूपये प्रति सैकडा की दर से संग्रहित किये जाने वाले उपभाक्ता प्रभार (यूजर चार्जेस) समाप्त किया गया।
- ''राजीव गॉधी कृषक साथी सहायता योजना'' में 2 हजार 271 कृषकों को 32 करोड़ 55 लाख रूपये की वित्तीय सहायता दी गई।

युवा कल्याण

- मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना लागू की गई। शिक्षित बेरोजगार युवाओं का बेरोजगारी भत्ता 5 गुना बढ़ाया गया। जो 600 रूपये प्रतिमाह के स्थान पर अब युवतियों एवं विशेष योग्यजन को 3500 रूपये तथा युवकों को 3000 रूपये प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देय।
- युवाओं को स्व-रोजगार देने हेतु 5000 डेयरी बूथ लगाने का निर्णय। अब तक 1326 डेयरी बूथ आंवटित किए गए।
- में अभी 70 हजार ई-मित्र संचालित हैं। विभिन्न नागरिक सेवाएं सुलभ करवाने के लिये 33 जिलों, 241 तहसीलों एवं 52 उप-तहसील मुख्यालयों पर (प्रत्येक में एक) ई-मित्र प्लस मशीनों की भी स्थापना की गई।
- जन सूचना पोर्टल 2019 प्रारम्भ कर आमजन को राज्य सरकार के 24 विभागों द्वारा चलाई जा रही 47 योजनाओं की 130 प्रकार की जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है।

महिला सशक्तीकरण

- सरकार का गठन होते ही लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिये एक तिहाई सीट महिलाओं के लिए आरक्षित करने का संकल्प विधानसभा से पारित।
- ''इंदिरा महिला शक्ति'' योजना में 5 साल में 1000 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे।

- नि:शुल्क बेसिक कम्प्यूटर योजनान्तर्गत 28 हजार 267 महिलाएं/बालिकाएं लाभान्वित हुई।
- विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा एवं एकल नारी 55 से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं को दी जाने वाली पेंशन राशि 500 रूपये से बढ़ाकर 750 रूपये प्रतिमाह की गई।
- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय 6,000 रुपये से बढ़ाकर 7,500 रूपये, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय 4,500 रुपये से बढ़ाकर 5,750 रूपये और आंगनबाड़ी सहायिकाओं का मानदेय 3,500 रुपये से बढ़ाकर 4,250 रूपये किया गया।
- आशा सहयोगिनियों एवं साथिनों का मानदेय 200 रूपये प्रतिमाह बढ़ाया गया।

वृद्धजन कल्याण

- कुल 46 लाख पेंशनर्स की वृद्धावस्था पेंशन में 250 रूपये की वृद्धि की गई।
- वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना में काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर को भी जोड़ा गया। योजना के तहत 6 हजार 840 वरिष्ठ नागरिकों को चयनित तीर्थ स्थलों की यात्रा करायी गई, जिसमें 206 यात्रियों को पशुपतिनाथ, नेपाल की यात्रा हवाई मार्ग से कराई।
- स्वतन्त्रता सेनानियों की पेंशन 20 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रूपये प्रतिमाह और चिकित्सा सहायता 4 हजार से बढ़ाकर 5 हजार रूपये प्रतिमाह की गई।

दिव्यांग कल्याण

- प्रतिभावान दिव्यांग विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के लिए 'मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना' के तहत 1000 रूपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रारम्भ की गई।

सैनिक कल्याण

- दूसरे विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों और उनकी विधवाओं की पेंशन 4 हजार से बढ़ाकर 10 हजार रूपये की गई।
- शहीद आश्रितों की सहायता राशि 50 लाख तक बढ़ाई गई।

सामाजिक सुरक्षा

- अति पिछड़े वर्गों (गुर्जर, गाडिया लुहार, बंजारा, गडरिया, राईका) को राज्य की शैक्षणिक संस्थाओं में सीटों और राज्य के अधीन सेवाओं में नियुक्तियों और पदों में 5 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया।
- आर्थिक रुप से कमजोर वर्गों को सीधी भर्ती के पदों एवं शैक्षणिक संस्थाओं में 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान लागू किया। सम्पत्ति के प्रावधान को समाप्त कर केवल 8 लाख रूपये अधिकतम वार्षिक आय को योग्यता का आधार बनाया गया।
- सरकारी सेवाओं में विशेष योग्यजन हेतु आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 4 प्रतिशत किया गया।
- राजकीय एवं अनुदानित छात्रावासों एवं विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों में प्रवेष हेतु आय सीमा 2.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 8.00 लाख रुपये की गई। इन छात्रावासों में पूर्व आवासित विद्यार्थी को प्रवेश हेतु प्राप्तांक की अनिवार्यता 50 प्रतिशत के स्थान पर 40 प्रतिशत की गई।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों हेतु राजकीय छात्रावासों में मैस भत्ते को 2 हजार से बढ़ाकर 2,500 रूपये किया गया।
- विधवा विवाह उपहार योजना में विधवा की शादी पर दी जा रही उपहार राषि 30 हजार से बढ़ाकर 51 हजार रूपये की गई।
- श्रमिकों के स्वास्थ्य हितों एवं खनन प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत एक नयी राजस्थान सिलिकोसिस नीति-2019 3 अक्टूबर,2019 से लागू की गई।

अल्पसंख्यक कल्याण

- अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों हेतु संचालित राजकीय छात्रावासों में मैस भत्ता 2,000 रूपये से बढ़ाकर 2,500 रूपये किया गया। मदरसों के लिये आधुनिकीकरण योजना के तहत साढे चार करोड रूपये के कम्प्यूटर, खेल सामग्री एव स्मार्ट बोर्ड उपलब्ध करवाये गये।

ऊर्जा

- 30 जून, 2019 को छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन की छठी इकाई से 660 मेगावाट विद्युत व्यवसायिक उत्पादन शुरू किया गया।
- 1,497 मेगावाट क्षमता की अतिरिक्त सौर उर्जा स्थापित की गई।
- कंकाणी (जोधपुर) में 400 केवी का एक ग्रिड सब-स्टेशन, राधपुर (कोटा) में 220 केवी का एक ग्रिड सब-स्टेशन, 132 केवी के 12 ग्रिड सब-स्टेशन एवं 33 केवी के 275 ग्रिड सब-स्टेशन स्थापित किया गया।
- किसानों को बिजली के बिलों में 7 हजार 128 करोड़ रूपये का अनुदान दिया गया।

सड़क विकास

- ग्रामीण क्षेत्रों में 1 हजार 220 किलोमीटर लंबाई में मिंसिंग लिंक निर्माण कार्य पूर्ण किया गया तथा 1 हजार 400 किलोमीटर लंबाई में कार्य प्रगति पर है।

पेयजल एवं जल-संरक्षण

- शहरी क्षेत्रों में चालू मीटर वाले घरेलू कनेक्शन पर 15 किलोलीटर मासिक उपभोग तक वाटर-चार्ज समाप्त किया। ग्रामीण क्षेत्र में घरेलू जल उपभोक्ताओं से 40 एलपीसीडी पानी के उपभोग तक वाटर-चार्ज समाप्त किया गया।
- वृहद पेयजल परियोजनाओं के माध्यम से सतही जल स्त्रोत से 12 शहरों को आंषिक, 1342 ग्राम एवं 1560 ढाणियों को पेयजल पहुंचाया गया।

शिक्षा

- राज्य में 50 नए कॉलेज खोले गए। इसमें से 38 नवीन राजकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2019-20 से प्रवेष प्रारम्भ हो गया।
- राजकीय महाविद्यालयों में चालू सत्र (2019-20) से प्रवेश में अति पिछड़े वर्गों के लिए 5 प्रतिशत एवं आर्थिक कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान लागू किया। आर्थिक कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण में अचल संपत्ति से संबंधित प्रावधानों को समाप्त करने की ऐतिहासिक पहल
- राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक स्तर की सीटों में 25 प्रतिशत की वृद्धि।
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विष्वविद्यालय एवं हरिदेव जोषी पत्रकारिता एवं जनसंचार विष्वविद्यालय पुन: खोले गये।
- जयपुर के कोटपूतली एवं धौलपुर के बसेड़ी में कृषि महाविद्यालय खोलने का निर्णय।

- तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु केलवाडा में राजकीय सहशिक्षा पॉलिटेक्निक महाविद्यालय प्रारम्भ किया गया।
- अनुसूचित जनजाति की कक्षा 10वीं/12वीं में 65 प्रतिशत से अधिक प्राप्त करने वाली 3 हजार 397 छात्राओं को स्कूटी वितरित की गई।
- आपकी बेटी योजना अन्तर्गत कक्षा 1 से 8 में अध्ययनरत बालिकाओं को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि 1100 रूपये से बढ़ाकर 2100 रूपये प्रतिवर्ष एवं कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत बालिकाओं को प्रतिवर्ष 1500 रूपये से बढ़ाकर 2500 रूपये की गई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

- ''आयुष्मान भारत-महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना'' का प्रदेश में दिनांक 01.09.2019 से शुभारम्भ किया गया। इसके तहत प्रत्येक जिले में 5 लाख रूपये तक का इलाज की सुविधा मिल सकेगी।
- ''खसरा-रूबेला अभियान'' प्रारम्भ कर 9 माह से 15 वर्ष तक की आयु के लगभग 1.92 करोड बच्चों को खसरा रूबेला से बचाने हेतु टीके लगाये गये।
- राज्य के प्रत्येक जिले में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज होगी, प्रत्येक मेडिकल कॉलेज की लागत 325 करोड़ होगी। इस एक साल में 15 नये कॉलेजों को स्वीकृति मिल चुकी है। अब तक 30 जिलों में मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं। बाकी 3 जिलों में मेडिकल कॉलेज के लिए पीपीआर रिपोर्ट बनाने के निर्देश दे दिये गये हैं।
- इस एक साल में मेडिकल में पोस्ट ग्रेजुएट की 960 सीटों की वृद्धि हुई है और 350 अंडर ग्रेजुएट सीटों की वृद्धि हुई है।
- नि:शुल्क दवा योजना में 102 नई दवाओं को शामिल किया गया है जिसमें किडनी, हार्ट, कैंसर जैसे गंभीर रोगों की दवाएं भी हैं। नि:शुल्क जांच का दायरा 70 से बढ़ाकर 90 किया गया है। सीनियर सिटीजन के लिए एमआरआई और सीटी स्केन जांच नि:शुल्क किया गया है।
- शहरी क्षेत्रों में कच्ची बस्तियों में रहने वाले निवासियों के लिए चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए 'जनता क्लिनिक' का शुभारंभ किया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि राजस्थान निरोगी राजस्थान बने।

खाद्य सुरक्षा

- अन्त्योदय, बीपीएल एवं स्टेट बीपीएल के 1 करोड़ 74 लाख पात्र एक रूपये प्रति किलोग्राम की दर से गेहूं वितरण प्रारम्भ किया गया।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जुडवाये जाने की 6.57 लाख अपीलों का निस्तारण कर 28 लाख 29 हजार 541 व्यक्तियों के नाम जोडे गए।

उद्योग, व्यापार एवं वाणिज्य

- राजस्थान सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (फैसेलिटेशन ऑफ एस्टेबिलेशमेन्ट एण्ड ऑपरेशन) अधिनियम, 2019 लागू किया। यह देश में अपनी तरह का पहला कानून है। इससे 3 वर्ष तक विभिन्न विभागों की स्वीकृति एवं निरीक्षणों से छूट मिल जाएगी। अब तक 2500 से अधिक उद्यमियों को ''प्राप्ति के प्रमाण-पत्र'' जारी किए गये।
- हस्तशिल्प, कृषि और टेक्सटाइल आदि से सम्बन्धित उत्पादकों को लाभ दिलाने हेतु राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल का गठन किया गया।

मुख्यमंत्री सहायता कोष

- मुख्यमंत्री सहायता कोष से दुर्घटना में घायलों की सहायता राशि 10 हजार से बढ़ाकर 20 हजार रूपये तथा मृत्यु पर आश्रितों को सहायता राशि 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रूपये की गई।
- राजकीय अस्पतालों में इलाज की सहायता राशि 1 लाख से बढ़ाकर 1 लाख 50 हजार रूपये एवं निजी अस्पतालों में 60 हजार रूपये से बढ़ाकर 90 हजार रूपये की गई।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार

- राज्य में ''ई-साइन प्रमाणन प्राधिकरण'' का गठन किया गया। राजस्थान देश का पहला राज्य है, जहां इस प्रकार का प्राधिकरण बनाया गया।

लोक कल्याणकारी कानून

- ई-सिगरेट और हुक्का बार पर प्रतिबंध लगाया गया।

कानून व्यवस्था

- थाने में एफ.आई.आर दर्ज करने से इंकार करने पर व्यक्ति पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एफ.आई.आर दर्ज करवा सकता है एवं इसमें थानाधिकारी की जवाबदेही तय होगी। इससे एफ.आई.आर. की संख्या बढ़ेगी, परन्तु फरियाद सुनी जाना सुनिश्चित होगा।
- नागरिकों को ऑनलाईन दर्ज कराने की सुविधा दी गई।

स्वायत्तशासी संस्थाएं

- पंचायतीराज एवं स्थानीय निकाय चुनाव में शैक्षणिक योग्यता का प्रावधान समाप्त।

पर्यावरण

- झीलों के संरक्षण एवं प्रबंध को प्रोत्साहित करने हेतु स्टेट वैटलैंड अथॉरिटी का गठन किया गया।

प्रस्तुति : पंकज कुमार शर्मा

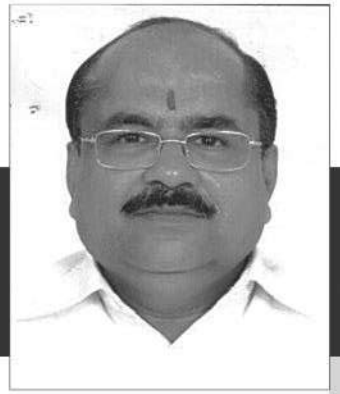

कांतिलाल जैन
(ब्रह्मचारी)

0294-2410444
09414155797 (M)

श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ ज्योतिष कार्यालय

जैन साधनानुसार हस्तरेखा, तंत्र-मंत्र के विशेषज्ञ

नाकोड़ा रूप भवन

167, रोड नं. 11, अशोक नगर, माया मिष्ठान के पास, उदयपुर-313001 (राज.)

मिलने का समय : दोपहर 3 से सायं 7 बजे तक

नाकोड़ा रूप भवन

Ph: 022-24123857, 093220-90220 (M)

**ब्लॉक नं. 10, केलकर बिल्डिंग,
नयागांव के.ए. हाउसिंग सोसायटी,
प्लॉट नं. 60-बी,एस.एम. जाधव मार्ग,
कृष्णा हॉल के सामने, दादर (ईस्ट) मुम्बई-14**

रविवार चौकी एवं आरती

**मिलने का समय :
दोपहर 3 से
सायं 7 बजे तक**

सुप्रीम कोर्ट का अपने ही खिलाफ़ फैसला

❖ हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराने में लग गए 12 साल

❖ जनता का भरोसा जीतने की दिशा में न्यायपालिका को तय करना है, अभी लम्बा रास्ता

✍ गौरव शर्मा

संविधान और कानून की कसौटी पर देश के सभी नागरिक और समूची व्यवस्था को संचालित करने वाला हर व्यक्ति और संगठन समान है, भले ही ये कितने भी महत्वपूर्ण और विशिष्ट क्यों न हों। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवम्बर 2019 को यह बात यह फैसला करके पुष्ट भी कर दी है कि – 'प्रधान न्यायाधीश का कार्यालय सार्वजनिक प्राधिकरण है और वह सूचना के अधिकार कानून के दायरे में आता है। सूचना के अधिकार का महत्व अब किसी से छिपा नहीं है। जब से यह लागू हुआ है, इसके जरिए शासन तंत्र में पारदर्शिता कायम करने से लेकर गोपनीयता के नाम पर छिपाई गई कई जानकारियां आती रही हैं। हालांकि कुछ ऐसे मामले भी सामने आए जब सूचना और निजता के सिद्धांत के बीच टकराव की स्थिति बनती दिखी।

सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के कार्यालय को आरटीआई कानून के दायरे में लाया जाए या नहीं, इसी धारणा की वजह से पिछले कई वर्षों से ऊहापोह की स्थिति बनी हुई थी। जिसे अब(13 नवम्बर 2019) सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने यह कहकर स्पष्ट कर दिया कि शीर्ष अदालत के प्रधान न्यायाधीश का कार्यालय भी सूचनाधिकार कानून के दायरे में आएगा।

इस फैसले से देश में सूचना का अधिकार कानून लागू होने के 14 वर्ष बाद आम आदमी को सुप्रीम कोर्ट से सवाल पूछने का हक़ मिल गया है। पिछले वर्षों में आरटीआई को कुछ मामलों में हथियार की तरह इस्तेमाल किए जाने के प्रयास भी हुए। संभवत: इसी के मद्देनज़र अदालत ने सचेत किया कि न्यायपालिका के मामले में अगर आरटीआई के जरिए जानकारी मांगी जाती है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन इसका इस्तेमाल निगरानी रखने के हथियार के रूप में नहीं किया जा सकता और पारदर्शिता के मसले पर विचार करते समय न्यायिक स्वतंत्रता को ध्यान में रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से अब देश का कोई भी कार्यालय आरटीआई के अधीन आ सकता है। राजनैतिक दलों को इस कानून के दायरे में लाने का मामला लटका हुआ है, उसके लिए यह फैसला मील का पत्थर साबित हो सकता है।

दिल्ली के एक कपड़ा व्यवसायी सुभाष अग्रवाल ने जजों की सम्पत्ति की जानकारी से जुड़े रिजॉल्यूशन और उनके द्वारा प्रदान किए जा रहे ब्यौरे को लेकर 2007 में दिल्ली हाईकोर्ट में आरटीआई लगाई थी। जानकारी नहीं मिलने पर अग्रवाल ने सेन्ट्रल इंफोर्मेशन कमीशन(सीआईसी) से सम्पर्क किया। सीआईसी ने सुप्रीम कोर्ट को निर्देशित करते हुए कहा कि वे भी आरटीआई के

दायरे में है। वर्ष 2010 के हाईकोर्ट के आदेश में स्पष्ट किया गया कि चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया का कार्यालय भी सूचना के अधिकार के अधिनियम के तहत आता है। ऐसे में इससे सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचना भी आरटीआई के तहत देनी होगी। इस आदेश के विरूद्ध सेक्रेटरी जनरल ऑफ सुप्रीम कोर्ट और सेन्ट्रल पब्लिक इंफोर्समेंट ऑफिसर ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। वर्ष 2010 में दो जजों की बैंच ने पाया कि इसमें संविधान के आर्टिकल 145(3) के तहत हाईकोर्ट का फैसला न्योचित है। पीठ ने यह मामला पांच सदस्यीय बेंच तक पहुंच गया। जिसने हाल ही में यह फैसला दिया है। आरटीआई के सम्बंध में सीआइसी ने 2007 में जो बात कही और 2010 में जिसे हाईकोर्ट ने सही ठहराया उसी को 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में सही बताया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति नहीं तो क्या है। एक कम्पीटेंट ऑथरिटी की ओर से किए गए फैसले को सही बताने में सुप्रीम कोर्ट को 12 साल लग गए तो वह कैसे उस आदमी की उम्मीद पर खरा उतर पाएगा जो बरसों से अपने किसी मामले में न्याय की उम्मीद लगाए बैठा है। बावजूद इसके यह फैसला ऐसे समय आया है, जब न्यायिक जवाबदेही ओर स्वतंत्रता के बारे में गंभीर सवाल न्यायपालिका को सता रहे हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति, उनके पास मौजूद संपत्ति और फैसलों में राजनीतिक हस्तक्षेप की चर्चा होती रहती है। वाकई न्यायिक संस्थाओं को सार्वजनिक जांच और पारदर्शिता की दिशा में जनता का भरोसा सुनिश्चित करने के लिए बहुत लम्बा रास्ता तय करना है।

'आरटीआइ एक्टिविस्ट होना भी पेशा? यह ब्लैकमेलिंग है'

सुप्रीम कोर्ट ने 16 दिसम्बर को कहा कि आरटीआई अधिनियम डराने-धमकाने का हथियार बन गया है। यह 'ब्लैकमेलिंग' से कम नहीं है। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे ने कहा, 'क्या आरटीआई कार्यकर्ता होना भी पेशा हो सकता है? जिन लोगों को किसी विषय से कोई सरोकार नहीं है वे जानकारी मांगने के लिए आरटीआई दाखिल कर रहे हैं।' इस कानून के पीछे का उद्देश्य लोगों को उन सूचनाओं को बाहर निकालने की अनुमति देना था, जो उन्हें प्रभावित करती हैं। अब सभी तरह के लोग सभी प्रकार के आरटीआइ आवदेन दाखिल कर रहे हैं। 'सीजेआई बोबडे, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने कहा 'क्या आरटीआइ कार्यकर्ता होना एक पेशा है? इसे आजकल लेटरहेड पर लिखा जा रहा है। यह एक गंभीर बात है। यह मूल रूप से आइपीसी की धारा 506 के तहत आपराधिक धमकी है। इसके लिए ब्लैकमेल एक बेहतर शब्द है।' पीठ ने यह टिप्पणी केन्द्र और राज्य सूचना आयोगों में सूचना आयुक्तों के रिक्त पदों को भरने के लिए आरटीआइ कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। पीठ ने सभी खाली पद तीन महीनों में भरने का आदेश दिया।

न्याय व आरटीआई की जीत

यह फैसला दिलचस्प है। सब को लगता है कि जनता कोर्ट में गई, जबकि ऐसा नहीं है। सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट सूचना आयोग में गई, जिसके बाद हाईकोर्ट की सिंगल बेंच में गई। हारने के बाद हाईकोर्ट की फुल बेंच में गई, जहां से हारने के बाद सुप्रीम कोर्ट खुद अपील के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंची। जहां सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ फैसला दिया।

2005 में लागू हुआ सूचना का अधिकार

यूपीए-1 के समय राइट टू इन्फॉर्मेशन यानी सूचना का अधिकार अस्तित्व में आया। दिसम्बर 2003 में एनडीए सरकार के दौरान संसद ने सूचना स्वतंत्रता अधिनियम 2002 पारित किया, लेकिन यह अधिसूचित नहीं हो सका। दिसम्बर 2004 में यूपीए सरकार ने सूचना का अधिकार प्रस्तुत किया जो 2005 में पारित हुआ। इसे ही सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 कहा गया।

सूचनाएं मांगने की शक्ति दी

इसके तहत किसी भी सरकारी कार्यालय से सूचनाएं मांगी जा सकती हैं। संबंधित कार्यालय को 30 दिन में जवाब देना होता है। हालांकि स्वतंत्रता और जीवन के मामले में जानकारी 48 घंटे में देनी होगी। सूचना नहीं मिलने या प्राप्त जानकारी से संतुष्ट नहीं होने पर 30 दिनों के भीतर उसी दफ्तर में बहाल प्रथम अपीलीय अधिकारी के पास अपील कर सकते हैं। यहां भी संतुष्ट ना हों, तो 90 दिन में राज्य या केन्द्रीय सूचना आयोग में शिकायत की जा सकती है। सूचना आयुक्तों को अपीलों का निपटारा 45 दिन के भीतर करना होगा। जानकारी ना देने पर 25000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

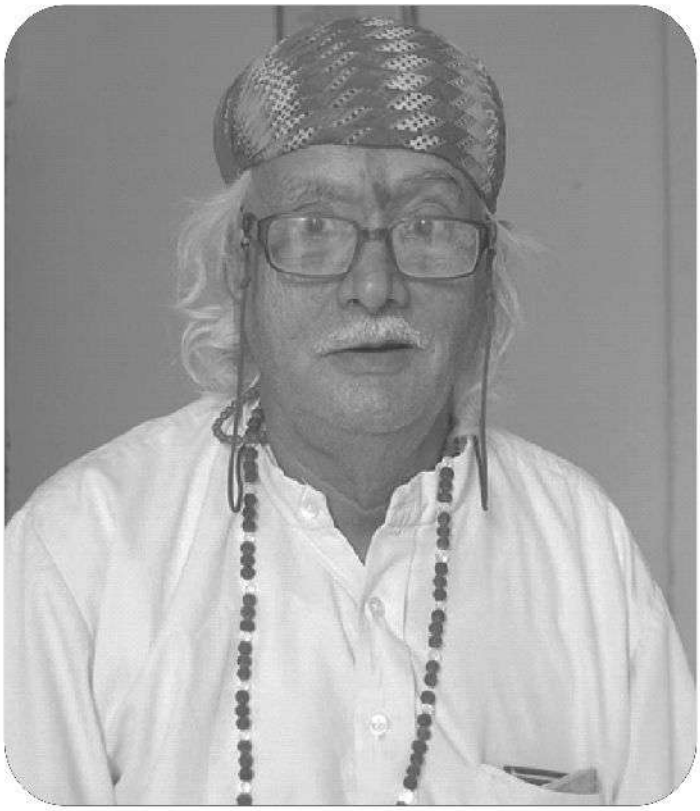

जन्म :
2 फरवरी 1931

निधन :
30 जनवरी 2016

उदयपुर जिले के आदिवासी बहुल भोमट (झाड़ोल-फ.) क्षेत्र में घर-घर शिक्षा की अलख जगाने वाले सरलमना, प्रेरक व्यक्तित्व, कीर्तिशेष

श्रीयुत पं. जीवतरामजी शर्मा

(संस्थापक, राजस्थान बाल कल्याण समिति)

की पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि।

श्रद्धावनत

राजस्थान बाल कल्याण समिति परिवार।

प्रेम और भ्रातृत्व का प्रतीक लोहड़ी

✍ रमेश गोयल

उत्तरी भारत के अनेक राज्यों में लोहड़ी का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। हिन्दुस्तान के बंटवारे से पहले यह त्यौहार, लाहौर, सियालकोट, गुजरांवाला, लायलपुर, जेहलम और गंजीबार जो कि वर्तमान पाकिस्तान में स्थित है, में भी धूमधाम से मनाया जाता था। इस दिन शाम को उपले(अलाव) जलाए जाते हैं। लोहड़ी उत्सव के समय जलाने वाली लकड़ियां और पाथियां प्रत्येक घर से छोटे-छोटे बच्चे पहली जनवरी से मांगना शुरू कर देते हैं और लोहड़ी के दिन तक एकत्रित करते हैं। लोहड़ी के दिन अलाव के चारों ओर मोहल्ले की महिलाएं, पुरुष, बच्चे बैठकर तिल, गुड़, गन्ने और मूंगफली इत्यादि से लोहड़ी की पूजा करते हैं तथा मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। बंटवारे के कुछ वर्ष बाद लकड़ी और उपले घर-घर से मांगने वाली प्रथा समाप्त हो गई और अब यह प्रथा लकड़ी व उपले खरीद कर मनाई जाती है।

लोहड़ी मुगल सम्राट अकबर के समय से ही एक ऐतिहासिक त्यौहार माना जाता है। गंजीबीर क्षेत्र (वर्तमान पाकिस्तान) में एक ब्राह्मण था, जिसकी कन्या थी अपने नाम के अनुरूप अति सुंदर थी। उसकी सुंदरता की हर व्यक्ति प्रशंसा किए बगैर नहीं रहता था। गंजीबार का शाही शासक भी सुंदरी के रूप पर मोहित हो गया।

उसने सुंदरी के पिता को लोभ सहित संदेश भेजा कि वह अपनी पुत्री को तुरंत महल में भेज दें। संदेश पाते ही पुत्री को लेकर ब्राह्मण जंगल में रहने वाले चर्चित मुस्लिम डाकू दुल्ला भट्टी के पास गया और उसे अपनी दास्तां सुनाई। दुल्ला भट्टी ने उसी रात एक ब्राह्मण युवक की तलाश की और अपनी बेटी मानकर अग्नि की साक्षी में सुंदरी का विवाह कर दिया। उस रात नेक दिल दुल्ला भट्टी के पास कुछ भी नहीं था। अत: उसने कुछ शक्कर और तिल देकर ब्राह्मण युवक को सुंदरी का हाथ सौंप कर विदा किया। अगले दिन शाही शासक को इसका पता चला तो तुरंत गंजीबीर इलाके पर हमला करने और दुल्ला भट्टी को खत्म करने का आदेश दिया, लेकिन दुल्ला भट्टी और गंजीबार इलाके की जनता ने शाही सेना को नाको चने चबवा दिए। शाही सेना को मुंह की खानी पड़ी। लोगों ने खुशी में अलाव जलाए, खुशियां मनाईं और दुल्ला

भट्टी की भूरि-भूरि प्रशंसा की। आज भी पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली की जनता अपने-अपने तरीके से दुल्ला भट्टी को याद करती है और उसके प्रति श्रद्धा प्रकट करती है। बच्चे शाम के समय पहली जनवरी से घरों में उपले(पाथियां) व लकड़ियां मांगने जाते हैं ओर गाते हैं :

'हिल्णा वी हिल्णा, लक्कड़ी लेकर हिल्णा'
'हिल्णा वी हिल्णा, पाथी लेकर हिल्णा'
'दे माई लोहड़ी, तेरी जिए जोड़ी'
'सुंदर मुंदरिए हो, तेरा कौन बेचारा हो'
'दुल्ला भट्टी वाला हो, दुल्ले थी ब्याही हो,
सेर शक्कर पाई हो, कुड़ी दे मामे आए ने'
'मामे चूरी कुट्टी हो, जमींदार लुट्टी हो,
कुड़ी का लाल दुपट्टा हो, दुल्ले धी ब्याही हो,'
'दुल्ला भट्टी वाला हो, दुल्हा भट्टी वाला हो।'

जो घर उपला या लकड़ी नहीं देता बच्चे उस घर वालों को मजाक उड़ाते हुए बोलते हैं –

'हुक्का बई हुक्का-ए घर भुक्खा',
'उड़दा-उड़दा चाकू आया, माई दे घर डाकू आया'

लोहड़ी के दिन स्वयं महाराजा रणजीत सिंह अपने महलों से निकल कर प्रजा में अपने हाथों से तिल, शक्कर बांटते थे और माताएं अपने बालकों का नाम दुल्ला भी रखती थीं।

सिम के लिए 'फेस स्कैनिंग'

चीन में नया सिम लेने के लिए उपभोक्ता को फेस स्कैन (चेहरे की पहचान) कंपनियों को देना अनिवार्य कर दिया गया है।

इस नियम के खिलाफ चीनी नागरिक अपने यहां सोशल मीडिया मंचों पर असहमति दर्ज करा रहे हैं। वहीं, चीन सरकार का कहना है कि नया नियम ऑनलाइन यूजर की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। चीन के औद्योगिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक नोटिस जारी कर फेस स्कैन की अनिवार्यता के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2013 से ही चीन में वास्तविक नाम से मोबाइल नंबर जारी किए जाने के नियम का कड़ाई से पालन हो रहा है। अब सरकार ने एक कदम आगे जाकर कहा है कि कंपनियां उपभोक्ताओं की पूरी जानकारी रखने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक का इस्तेमाल करें।

निजता को खतरा

बॉयोमीट्रिक डाटा असुरक्षित : मोबाइल फोन उपभोक्ता इस बात को लेकर डरे हुए हैं कि कहीं मोबाइल कंपनियां उनका बायोमीट्रिक डाटा अपने लाभ के लिए बेच न दें या कहीं यह लीक न हो जाए। सोशल मीडिया मंचों पर यूजर इस मामले में प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वीबो पर एक यूजर ने लिखा.... 'नियंत्रण.... फिर और नियंत्रण'

कुछ यूजर ने यहां तक कहा कि इस तरह सरकार आम नागरिकों की निजी जीवन में और दखल देने लगेगी।

चीनः निजी जीवन में दखल

2012 में हुआ था विरोध : सोशल मीडिया मंच वीबो ने 2012 में वास्तविक नाम से सोशल मीडिया खाता पंजीकरण शुरू किया था। इस बात का चीनी जनता ने इतना विरोध किया कि कंपनी को यह योजना वापस लेनी पड़ी थी।

सर्विलांस स्टेट बन चुका है चीन : एक पार्टी व्यवस्था वाले इस देश में विकास चाहे जितना तेजी से हो रहा हो लेकिन आम नागरिकों की स्वतंत्रता और निजता एक किनारे है। यहां मॉल में प्रवेश से लेकर सार्वजनिक स्थानों की निगरानी तक के लिए चेहरा पहचानने की कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

Happy New Year

Jai Prakash Sharma
Director
+91 88529 94444

Gnine Marmograni Impex Pvt. Ltd.

2/220, Connaught Place, Shobhagpura Chouraha, Udaipur (Raj.) 313001
E-mail : contact@gninemarmo.com, Web : www.gninemarmo.com

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.

समस्त त्वरित बैंकिंग सुविधाओं के साथ

- मिस्ड कॉल अलर्ट सेवा-बेलेन्स जाने मोबाईल नं. 8306977788
- खाते में तुरन्त मोबाईल नम्बर, आधार व पेन नम्बर जुडावे।
- आईएमपीएस (तुरन्त भुगतान सुविधा)
- तुरन्त भुगतान सुविधा (डेबिट कार्ड)।
- मियादी जमाओं पर अधिकतम ब्याज दरें
- मोबाईल बैंकिंग
- ऋणों पर न्यूनतम ब्याज दर
- सरलतम प्रक्रिया

श्रीमती विमला सेठिया
चेयरपर्सन

अरबन से जुड़िये, सहकारिता को मजबूत करियें।
आपकी सेवा में सदैव तत्पर....

एकसीबीए अवार्ड सेरेमनी 2019 में गोवा के सहकारिता मंत्री श्री गोविन्द गोडे श्रीमती वन्दना वजीरानी को बेस्ट एमडी अवार्ड प्रदान करते हुए

श्रीमती वन्दना वजीरानी
प्रबन्ध निदेशक

शिवनारायण मानधना
उपाध्यक्ष

निदेशकगण - हस्तीमल चोरडिया, महेशचन्द्र सनाढ्य, शांतिलाल पुंगलिया, राधेश्याम आमेरिया, विनोद कुमार आंचलिया, आदित्येन्द्र सेठिया, सुनीता सिसोदिया, चांदमल नंदावत, बालकिशन धूत, अभिषेक मीणा, रणजीत सिंह नाहर, सीए बालकृष्ण डाड एवं समस्त अरबन बैंक परिवार।

प्रधान कार्यालय : केशव माधव सभागार, एनसीएम सिटी, चित्तौड़गढ़
शाखाएँ : चित्तौड़गढ़, चन्देरिया, बेगूं, निम्बाहेड़ा, कपासन एवं बड़ी सादड़ी।

सर्दी में एलर्जी

*ठंड चरम पर है। ऐसे में उन लोगों की परेशानी बढ़ जाती है, जिन्हें इस मौसम में प्रायः एलर्जी की शिकायत रहती है। ठंड के मौसम में एलर्जी क्यों होती है और उससे कैसे बचें, बता रही हैं - **श्रुति गोयल***

ठंडी हवाएं सुबह और रात को कोहरा, दिन में हल्की धूप और कभी बारिश। ऐसे में यह शीत मौसम सजा की तरह लगता है। खासकर जिन्हें एलर्जी की समस्या है उनके लिए तो परेशानी काफी बढ़ जाती है।

फेफड़ा कमजोर होने पर

इस मौसम में ज्यादा परेशानी उन लोगों को होती है, जिन्हें फेफड़े संबंधी कोई शिकायत है या जिनका फेफड़ा कमजोर है। इस मौसम में क्रोनिक अब्सट्रैक्टिव पल्मनरी डिजीज, अंडरलाइन लंग डिजीज, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा आदि का खतरा बढ़ जाता है। जिनके फेफड़े कमजोर होते हैं, उनमें इस मौसम में बैक्टीरियल और वायरल संक्रमण का खतरा अधिक बढ़ जाता है। धूल और ठंडी हवा से सांस की नली भी सिकुड़ जाती है, जिससे श्वास संबंधी एलर्जी के शिकार होने वालों के लिए तकलीफ बढ़ जाती है।

ऐसे लोगों को सांस लेने में तकलीफ होती है और कई बार वे हांफने लगते हैं। किसी भी गंध या धूल से परेशानी हो सकती है या छींक आ सकती है। इस तरह की एलर्जी में रोगी की स्थिति को देखते हुए इलाज किया जाता है। आमतौर पर इनको उच्च एंटीबायोटिक दी जाती है। स्थिति के मुताबिक नेबुलाइजर का भी उपयोग किया जाता है। एलर्जी और तकलीफ को कम करने के लिए दवा दी जाती है, जो इंजेक्शन के तौर पर भी हो सकती है। तकलीफ अधिक बढ़ने, फेफड़े या श्वास से जुड़ी समस्या हो अथवा बुखार या खांसी-जुकाम जल्दी ठीक न हो तो डॉक्टरों से जांच करवा लेनी चाहिए।

घर में एलर्जी के कारण हैं तो

घर के भीतर के एलर्जी के कारणों से बचें जैसे धूल, परफ्यूम, पालतू, जानवर के फर और बाल ठंडी हवाओं आदि के संपर्क में न आएं, इसका ध्यान रखना चाहिए। घर में हल्के-फुल्के व्यायाम करें। जितना संभव हो सके, सीढ़ियां चढ़ें, ताकि थोड़ा व्यायाम हो सके। डॉक्टर द्वारा बताए गए श्वास संबंधी व्यायाम जरूर करें।

उंगलियों में सूजन

अधिक सर्दी में कुछ लोगों को उंगलियों में सूजन की शिकायत हो जाती है। यह रेनड डिजीज सिंड्रोम होता है। इसको कोल्ड एसोसिएटेड स्पाज्म भी कहते हैं। सर्दी के कारण, ठंडी हवा व ठंडे पानी के सपंर्क की वजह से इस तरह की परेशानी हो जाती है। इस मौसम में मोइस्चर की कमी होने से रूखापन आ जाता है। इससे भी हाथों और पैरों की उंगलियों में सूजन और खुजली, उनका लाल होना आदि परेशानी हो जाती है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर की सलाह से एंटीएलर्जिक दवा का प्रयोग कर सकते हैं। ठंड से बचें। ठंडे पानी आदि के इस्तेमाल से बचें और शरीर को गर्म रखने के लिए दस्ताने, मौजे आदि पहनने में लापरवाही न करें। इस बात का खास ख्याल रखें कि त्वचा की नमी बनी रहे। पैरों की देखभाल का खास ख्याल रखें।

त्वचा संबंधी एलर्जी

इस मौसम में त्वचा संबंधी कई तरह की एलर्जी की आशंका रहती है। इससे त्वचा की अनेक परेशानियों का खतरा बढ़ जाता है। इनमें डर्मेटाइटिस, एग्जीमा आदि प्रमुख हैं। यही नहीं, त्वचा में दरारें, चकत्ते, संक्रमण आदि का भी भी खतरा रहता है। खासकर सर्दी में त्वचा की नमी काफी कम हो जाती है। नमी की कमी त्वचा की एलर्जी के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार होती है। वैसे त्वचा की प्रकृति ओर परेशानी के अनुरूप ही इसका उपचार किया जाता है। त्वचा के नीलेपन के लिए कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स और डिपिन का प्रयोग किया जाता है। कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। त्वचा को गर्म रखें और गर्म पानी का इस्तेमाल करें। त्वचा की नमी का भी पूरा ध्यान रखें। आहार में भी ऐसी चीजें शामिल करें, ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

इन्हें जरूर अपनाएं

इस मौसम में एलर्जी से बचने के लिए बेडशीट गर्म पानी से साफ करें, ताकि सारे कण अच्छे निकल जाएं। रग्स आदि को साफ रखें। घर को अच्छी तरह साफ रखें। दीवारों पर भी फंगस न लगने दें, ताकि घर के भीतर की एलर्जी के कण से बचे रहें। घर में नमी को बनाये रखें। आपको जिस तरह की एलर्जी की शिकायत हो, उसके मुख्य कारण पर ध्यान देते हुए दवाओं का ध्यान रखें और डॉक्टर की सलाह से दवा की खुराक लें। घर में पालतू जानवर हैं तो उन्हें बेडरूम में लाने से बचें। बाहर निकलने पर स्कार्फ या मफलर का प्रयोग अवश्य करें और बाहर कदम रखने से पहले गहरी सांस लें। इस मौसम को मस्ती से बिताना है तो बेहद आवश्यक है कि गर्म तरल पदार्थ का सेवन बढ़ा दें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- खूब पानी पीना चाहिए।
- पर्याप्त आराम करें।
- गर्म कपड़े पहनकर रहें।
- आंख और नाक अच्छी तरह ढक कर रखें।
- सनस्क्रीन और मॉइश्चराइजर का त्वचा पर भरपूर इस्तेमाल करें।
- कुछ खाद्य वस्तुओं के सेवन से एक्जिमा से लेकर अस्थमा तक के कई सारे लक्षण पनप सकते हैं। इनमें दूध, योगर्ट, चीज, आइसक्रीम, केला, खीरा और अंडों जैसे खाद्य पदार्थ शामिल हैं। यानी ऐसे लोगों को इन चीजों के उपयोग से बचना चाहिए।
- मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और शरीर का तापमान स्थिर रखने के लिए शरीर को अधिक पोषक तत्वों की जरूरत पड़ती है। इसलिए ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त चीजें खाएं, जिनमें एलर्जी से लड़ने वाले प्राकृतिक एंटी-इनफ्लेमेटरी तत्व हों। ओमेगा-3 के अच्छे स्रोतों में सोयाबीन, लौकी के बीज, अखरोट और सामन मछली शामिल हैं। मांसाहारियों के लिए मछली सबसे अच्छा विकल्प है। फलों का रस और ग्रीन टी को अपने खानपान में प्रमुखता से शामिल करना चाहिए।

ब्लेकहोल बना रहा नए तारे

हर साल बन रहे 500 नए तारे

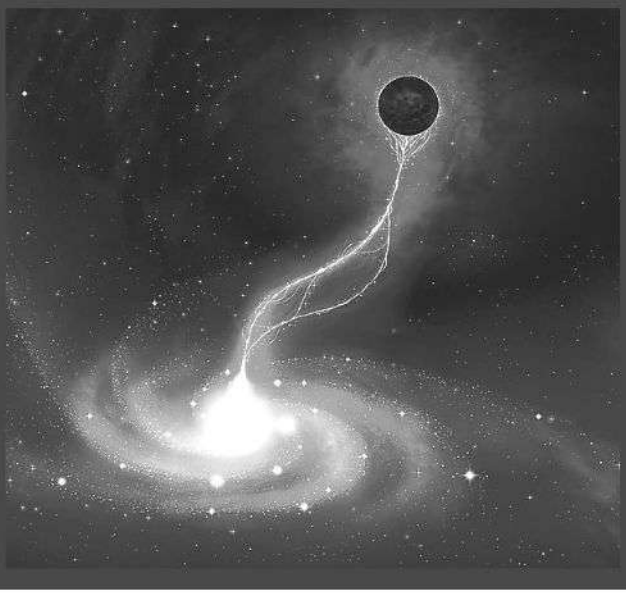

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने एक विशालकाय ब्लैकहोल की खोज की है जो बेहद तीव्र गति से तारे बना रहा है। इस खोज से नासा के वैज्ञानिकों को यह रहस्य सुलझाने में मदद मिलेगी कि आखिर तारे बनते कैसे हैं। इस ब्लैकहोल के कारण हर साल 500 नए तारे बन रहे हैं।

नासा के चंद्रा एक्स रे ऑब्जर्वेट्री व हबल स्पेस टेलीस्कोप की जानकारी से एमआईटी के शोधकर्ताओं ने एक दूरस्थ स्थित फोनिक्स क्लस्टर का पता लगाया है। इसी क्लस्टर में एक विशालकाय ब्लैकहोल के होने के बारे में पता लगा है जो तारे बनाने के लिए आदर्श स्थिति में है। अन्य आकाशगंगा के मध्य में मौजूद ब्लैकहोल से इतर फोनिक्स क्लस्टर में मौजूद ब्लैकहोल काफी कमजोर है। इससे आकाशगंगा में मौजूद गैस के बड़े बादल ठंडे होकर तारे बनने की प्रक्रिया की ओर अग्रसर हो रहे हैं। एमआईटी के शोधकर्ता ने कहा कि इसके बारे में खगोलविद् कई सालों से खोज कर रहे थे।

आकाश गंगा

ੴ "एक आँकार सत् गुरू परसाद"
घलै आवे नानका सदे उठी जावे

श्रद्धांजलि

स्वर्गवास- 5 दिसम्बर, 2013

स्व. सरदार जोगिन्दर सिंह सोनी

सुपुत्र स्व. सरदार अमरीक सिंह सोनी

"आपकी यादें, आपका आभास, आपका विश्वास,
सबकुछ है हमारे पास, आपके अहसासों में।
आप तो हर पल बसे हुए हैं दिल की धड़कन में,
भीगी पलकों में.... परिवार की सासों में।।"

श्रद्धावनत्: स. गुरूप्रीत सिंह सोनी-सोनिया **(पुत्र-पुत्रवधू)**, सूरज, सागर **(पौत्र)**, चान्दनी **(पौत्री)**, स्वीटी-आर.एस. बग्गा, प्रेटी-खुशबीर सिंह, फेरी-आज्ञापाल सिंह, रीना-जसपाल सिंह **(पुत्री-दामाद)**, स. परमजीत सिंह-कमलजीत कौर **(साला-सलहज)** एवं **समस्त सोनी परिवार।**

करोड़ों की आबादी पर प्रदूषण की चादर

✍ मोहन गौड़

प्रदूषण की समस्या से सिर्फ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र(एनसीआर) ही नहीं जूझ रहा है, बल्कि गंगा-सिंधु नदियों का संपूर्ण मैदानी क्षेत्र इसकी चपेट में है। क्लाइमेंट ट्रेंड द्वारा 18 नवम्बर को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रदूषण की घातक परत के कारण सात राज्यों की करीब 47 करोड़ की आबादी खतरे में है।

रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल से लेकर पंजाब तक सिंधु-गंगा का मैदानी क्षेत्र एयरोसोल का बड़ा केन्द्र बन गया है। ये एयरसोल प्राकृतिक भी हैं और मानवजनित भी। बड़ी मात्रा में रासायनिक रूपान्तरण के जरिये भी पीएम 2.5 का निर्माण हो रहा है जो लम्बे समय तक वायुमंडल में टिके रहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार गंगा और सिंधु के मैदानों में पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार तथा पश्चिम बंगाल में छाई एयरोसोल की परत में कुदरती कण जैसे समुद्री लवण, धूल, कोहरा और प्राकृतिक सल्फेट हैं। जबकि मानवजनित कणों में कालिख, औद्योगिक सल्फेट, ब्लैक कार्बन आदि शामिल हैं।

वैसे मानव जनित कणों की उत्पत्ति हर क्षेत्र में अलग-अलग है जो उस क्षेत्र की गतिविधियों पर निर्भर है। लेकिन कुदरती कणों और मानव जनित कणों में रसायनिक रूपान्तरण भी होता है। इस समस्या से निपटने के लिए प्रदूषण के स्रोतों को खत्म करना होगा और पूरे एयरशेड को लेकर क्षेत्रीय रणनीति बनानी होगी। लेकिन चिंता की बात यह है कि सरकार द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कोई प्रदूषित शहर नहीं है। इसके अलावा प्रदूषण के स्रोतों को खत्म करने के संसाधनों की कमी है।

जल्दी नहीं निकलते प्रदूषक तत्व

प्रदूषणकारी तत्व चाहे प्राकृतिक हों या मानवजनित, गंगा मैदानों में एक घाटीनुमा इलाके से बाहर नहीं निकल पाने के कारण पूरी सर्दियों के दौरान मैदानी इलाकों में जमे रहते हैं। सर्दी का मौसम शुरू होते ही बायोमास और अपशिष्ट के जलाने से ब्लैक कार्बन और कार्बनिक कण धुएं के रूप में निकलते हैं और गंगा के मैदानी क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं। यह धुआं, वाहनों, कारखानों आदि से प्रदूषण के साथ मिलकर एक मोटी घातक धुंध बनाता है।

50% पीएम 2.5 के पीछे रासायनिक रूपान्तरण

सर्दियों में करीब 50 फीसदी पीएम 2.5 रासायनिक प्रक्रिया से ही निर्मित होता है। रिपोर्ट के अनुसार ऐसा सल्फरडाईऑक्साइड, नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड, वोलाटाइल, ऑर्गेनिक कम्पाउण्ड (वीओसी) और पोलीसाइकिल एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) आदि के पार्टिकुलेट मैटर(पीएम 2.5) में तब्दील होने के कारण होता है।

मोक्षदायी दान-पुण्य का नायाब मौका

❖ प्रयागराज के 'संगम' व बंगाल के 'गंगासागर' सहित पवित्र सरोवर व नदियों में लाखों श्रद्धालु करेंगे स्नान-दान

✍ भगवान प्रसाद गौड़

देवताओं का प्रभातकाल है मकर संक्रान्ति। इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। जिसे मकर संक्रान्ति, पोंगल, खिंचड़ी या बिहू त्यौहार के नाम से भी पुकारते हैं। मकर संक्रान्ति पर दान, जप, तप, श्राद्ध या अनुष्ठान करने का विधान है। इस दिन दान का विशेष महत्व है। कहते हैं कि इस महापर्व पर किया गया दान सौ गुना फलित होता है।

माघ मासि महादेव यो दधाद् घृतकम्बलम्।
स भुक्त्वा सकलान् भोगान् अन्ते मोक्षम् च विन्दति।।

इस दिन घृत-कम्बल का दान करना चाहिए जिससे कर्ता सम्पूर्ण भोगों को भोगकर मोक्ष का भागी बनता है।

राजस्थान में परम्परा के अनुसार-इस दिन सौभाग्यवती महिलाएं तिल, घेवर, मोतीचूर के लड्डू, श्रृंगार की सामग्री और अन्य दान सामग्री 14 की संख्या में संकल्प के साथ ब्राह्मणों और कटुम्ब की बेटियों को प्रदान करती हैं। जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है।

भारत की हमारी पुरातन संस्कृति और सभ्यता को जानने के लिए पर्व-त्योहार अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए हर पर्व को श्रद्धा, आस्था और उमंग के साथ मनाया जाता है।

मकर संक्रान्ति के सम्बंध में गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है-

माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई।। (रा.च.मा. 1/44/3)

खगोलशास्त्रियों के अनुसार-प्रतिवर्ष 14-15 जनवरी के दिन सूर्य अपनी कक्षा में परिवर्तन कर दक्षिणायन से उत्तरायण होकर मकर राशि में विचरण करते हैं। सूर्य का कक्षा से परिवर्तित होना- ही 'संक्रमण' अथवा संक्रान्ति कहा जाता है।

धर्मग्रन्थों के अनुसार- संक्रान्ति पर स्नान-दान का महत्व है। इस दिन गंगा स्नान से पुण्य अर्जन होता है साथ ही स्वास्थ्य की भी अभिवृद्धि होती है।

उत्तरभारत में- गंगा-यमुना के तटों पर बसे शहर-गांवों में मेले लगते हैं। बंगाल के 24 परगना जिले में 'गंगासागर' तट पर प्रसिद्ध मेला लगता है। पौराणिक कथा के अनुसार संक्रान्ति को पतित-पावनी गंगा स्वर्ग से उतर कर

राजा भागीरथ के पीछे-पीछे बहती हुई कपिल-मुनि के आश्रम के निकट सागर में जाकर मिल गई थी।

मकर संक्रान्ति पर-प्रयागराज के संगम पर भी प्रतिवर्ष 1 माह तक 'माघ मेला' लगता है।

महाराष्ट्र और गुजरात में- संक्रान्ति से सूर्य की गति तिल-तिल बढ़ने की मान्यतानुसार तिल के बने मिष्ठान बनाकर बांटे जाते है तथा पतंगबाजी सहित कई खेल-प्रतियोगिताएं होती हैं।

पंजाब व जम्मू-कश्मीर में - लोहिड़ी के नाम से संक्रान्ति मनाई जाती है।

सिंधी समाज मकर संक्रान्ति के एक दिन पूर्व 'लाल लोही' के रूप में इस पर्व को मनाता है।

तमिलनाडु में - 'पोंगल' पर्व के रूप में संक्रान्ति मनाई जाती है।

भारतीय ज्योतिष के अनुसार- संक्रान्ति से दिन बड़े होने लगते हैं। रात्रि छोटी होने से अंधकार की समयावधि घटने लगती है। हम सब जानते हैं-सूर्य ऊर्जा का अजस्त्र स्त्रोत है। उससे जगत में चेतना और कर्मशक्ति में इज़ाफा होता है। इसीलिए ऊर्जा एवं प्रकाश के प्रतीक रूप में संक्रान्ति का बड़ा महत्व है।

हमारे ग्रंथों में लिखा है- दान करने से व्यक्ति का चित्त शुद्ध होता है, चित्त शुद्धि से मानसिक विकारों से मुक्ति मिलती है। जिससे जीवन में एकरसता की उत्पत्ति होती है जो परम मोक्ष की गति प्रदान करती है... इसीलिए मकर संक्रान्ति जैसे श्रेष्ठ पर्व पर दान अवश्य करना चाहिए।

धन्य है वह देश, धन्य है वह प्रदेश, धन्य है वह धरती, धन्य है वह संस्कृति और रीति-नीति, जीवनयापन की पद्धति जहां धन से ज्यादा धर्म को, भोग से बढ़कर योग को, स्वार्थ से श्रेष्ठ परमार्थ को और धर्म के चार पादों-सत्य, तप, दया और दान में दान को सर्वाधिक महत्व दिया है।

कलयुग में दान को कल्पवृक्ष के समान ही फल देने वाला माना गया है। इसलिए हमें अपने जीवन में परमार्थ-परोपकार को अवश्य स्थान देना चाहिए।

हिन्दी आशुलिपि पर उपयोगी पुस्तक

लेखक विजय सिंह के साथ पुस्तक का विमोचन करते पद्मश्री कैलाश 'मानव' दीपेश मित्तल, कल्पना गोयल व अन्य।

नई किताब

आधुनिक युग में तकनीक विकास एवं विस्तार के दौर में भी हिन्दी शार्टहैण्ड का महत्व कम नहीं हुआ है। आप देखेंगे कि किसी भी समाचार-पत्र को पढ़ते समय वाक्यों में हिन्दी शब्दों के साथ-साथ अंग्रेजी शब्दों का प्रचलन भी बहुत बढ़ गया है। एक वाक्य में अगर दो-चार अंग्रेजी के शब्द न आएं तो वाक्य पूरा नहीं होता है। हिन्दी का डिक्टेशन लिखते समय अंग्रेजी शब्दों के आते ही बच्चों के हाथ रूक जाते हैं। इन्हीं परेशानियों को ध्यान में रखते हुए विजय सिंह चौहान ने हिंग्लिश शब्दों के वाक्यांशों की रेखाकृतियों की एक पुस्तक हिन्दी आशुलिपि-उच्च गतिवर्धक वाक्यांश(भाग-6) का प्रकाशन किया है। इसके माध्यम से प्रशिक्षु अपनी आशुलिपि गति को 80 से 180 शब्द प्रति मिनट की गति से लिख सकेंगे। इस पुस्तक के प्रकाशन के साथ ही अब हिन्दी में भी हिन्दी आशुलिपि का एडवान्स साहित्य उपलब्ध हो गया है। इसमें करीब 5300 एडवान्स हिन्दी-इंग्लिश प्रचलित वाक्यांशों का समावेश किया गया है। इसके साथ ही 80 शब्द प्रति मिनट के डिक्टेशन व उनकी एडवान्स रेखाकृतियों को भी सम्मिलित किया गया है। पुस्तक को पूर्ण रूप से रोचक व गतिशील बनाया गया है।

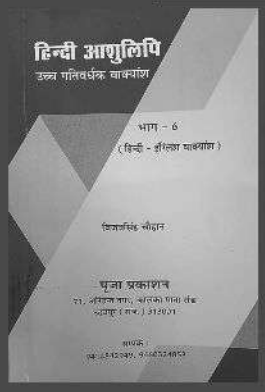

एक ही विषय पर सातवीं कृति के प्रकाशन पर तारा संस्थान के निदेशक विजय जी को हार्दिक बधाई। शॉर्टहैण्ड में तैयार इनके कई शिष्य आज विभिन्न विभागों में अपनी कार्यकुशलता के लिए जाने जाते हैं।

- डॉ. मांगीलाल नागदा

सर्दी में स्वास्थ्य का सहचर

प्राणायाम

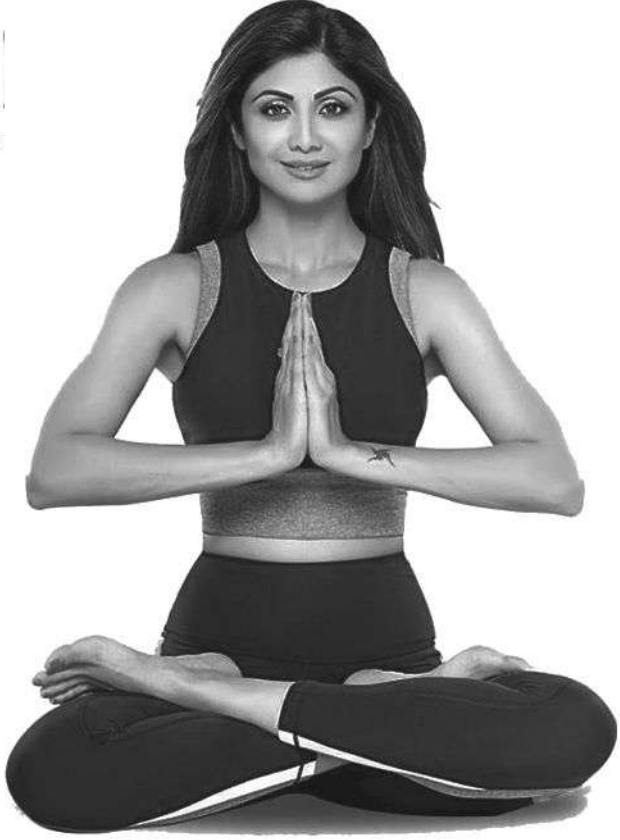

जो लोग प्रायः अस्वस्थ रहते हैं, उनके लिए सर्दी का मौसम परेशानी भरा होता है, लेकिन थोड़ी सावधानी बरतकर सर्द मौसम की मार से सेहत को बचाए रखा जा सकता है। इस सम्बन्ध में प्रस्तुत है योगाचार्य **कौशल कुमार** की सलाह।

सर्दी इस समय अपने चरम पर है। वैसे तो इस मौसम में सबको सावधान रहने की आवश्यकता होती है, परन्तु बच्चे, वृद्ध, कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग, हृदय रोगी, अस्थमा व अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों को बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। इस मौसम में बहुत ठंड लगने, सर्दी-जुकाम होने, खांसी, फ्लू के आक्रमण की आशंका अधिक होती है। कुछ यौगिक क्रियाओं के अभ्यास से ऐसे लोग खुद को काफी हद तक सुरक्षित रख सकते हैं। अगर आप ऐसे लोगों की श्रेणी में शामिल हैं तो आप भी क्यों न इन क्रियाओं को आजमाएं।

जिन्हें ठंड अधिक लगती है

जिन्हें ठंड बहुत अधिक लगती है, उन्हें अग्निसार प्राणायाम का नियमित अभ्यास करना चाहिए। इसके अभ्यास से ठंड से काफी हद तक बचाव हो जाता है।

अग्निसार की अभ्यास विधि

पद्मासन, सिद्धासन, सुखासन या कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। दोनों हाथों को घुटनों पर मजबूती से रख लें। आंखें ढीली बंद कर लें। गहरी श्वास-प्रश्वास लें। अब एक गहरी श्वास मुंह द्वारा बाहर निकालें। श्वास बाहर की ओर रोक कर दोनों हाथों की कुहनियों से सीधा कर मजबूती से घुटनों पर रख लें। इसके बाद उदर की मांसपेशियों को अंदर-बाहर जल्दी-जल्दी फुलाएं-पिचकाएं। जितनी देर श्वास को आसानी से बाहर रोक कर रख सकें, पेट को अंदर-बाहर करते रहें। कोई भी असुविधा होने के पहले ही पेट को सामान्य कर हाथों को सामान्य करें तथा श्वास अंदर लें। यह क्रिया प्रारम्भ में एक-दो बार, फिर धीरे-धीरे बढ़ा कर 5 से 7 बार करें।

सावधानी

हृदय रोगी तथा उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग इसका अभ्यास न करें। सर्दी-जुकाम, खांसी तथ फ्लू से ग्रस्त लोगों को कुछ सावधानियों के साथ प्रतिदिन नियमित रूप से इस प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। बुखार की स्थिति में किसी भी योग क्रिया का अभ्यास न करें। अन्य सभी स्थितियों में नाड़ी शोध प्राणायाम का अभ्यास बहुत लाभकारी होता है।

नाड़ी शोधन की अभ्यास विधि

पद्मासन, सिद्धासन, सुखासन या कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर सीधा कर बैठ जाएं। आंखों को हल्के से बंद कर चेहरे का बिल्कुल तनाव रहित कर लें। अब दाएं हाथ के अंगूठे से दायीं नासिका बंद कर बायीं नासिका से धीमी, लम्बी तथा गहरी श्वास अंदर लें। उसके बाद बायीं नासिका को बंद कर दायीं नासिका से लम्बी, धीमी तथा गहरी श्वास बाहर निकालें। फिर दायीं नासिका से श्वास अंदर लेकर बायीं नासिका से बाहर निकालें। यह नाड़ी शोधन प्राणायाम का एक चक्र है। प्रारम्भ 12 चक्रों से करें। धीरे-धीरे चक्रों की संख्या बढ़ा कर 48 तक कर लें।

बरतें सावधानियां

पर्याप्त गर्म कपड़े पहनें। एक गिलास गुनगुने पानी में दो-तीन चम्मच शहद मिला कर सुबह-शाम पिएं। जड़ी-बूटियों से निर्मित आयुर्वेदिक चाय प्रतिदिन अवश्य पिएं। जायफल को पानी में घिस कर शहद के साथ 2-3 बार इसका सेवन अवश्य करें। मुनक्का तथा अंजीर प्रतिदिन रात में भिगो कर सुबह उसका सेवन करें।

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड®

वाशिंग पाउडर

हमारे अन्य उत्पाद

- डिसाइड वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
- डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
- एडवाइस वाशिंग पाउडर
- एडवाइस डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड डिशवाश बार
- डिसाइड डिशवाश टब
- डिसाइड डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड नमक
- डिसाइड बाथ सोप

AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
F-264, F-264A, RIICO Ind. Area, Gudli, Udaipur - 313 024 (Raj.) India
CIN : U15412RJ2005PTC020174

FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
77278 64004
or email at aadharproducts@rediffmail.com

www.aadharproducts.in

हृदय में आनंद तो 'वसंत' भी आपके आसपास

✍ अमृत साधना

आज वसंत कितने लोगों को उपलब्ध होता है? सीमेंट के विशाल जंगलों में रहने वाले, वातानुकूलित घरों में या दफ्तरों में बंद लोगों का वसंत से संबंध न के बराबर रह गया है। उनके आसपास न तो प्रकृति में कोई बसंत होता है, न उनके प्राणों में। ऐसे में वसंत होकर भी बाहर वसंत का वातावरण न भी हो तो भी कोई हर्ज नहीं, कम से भीतर तो वसंत का निमंत्रण दिया जा सकता है। भीतर अगर वास्तविक मनोभाव न हो, हृदय में बसंती रंग न छाया हो तो पीले कपड़े पहनकर भी वसंत बुझा-बुझा सा रहेगा, सुलग न पाएगा।

जीवन परिवर्तनशील है, इसलिए वह हमेशा चक्र की भांति घूमता रहता है। इस घूमते हुए चक्र से ही ऋतुएं बनती हैं। जैसे स्त्री के अलग-अलग मनोभाव होते हैं, कभी दृढ़, कभी प्रफुल्लित तो कभी शांत, कभी गर्म तो कभी ठंडी, कभी मुरझाई हुई तो कभी खिली-खिली, वैसे ही प्रकृति के भी मूड्स होते हैं और उसे ही ऋतु चक्र कहते हैं। प्रकृति भी एक स्त्री ही है। मनुष्य का मन और प्रकृति एक-दूसरे के बहुत निकट हैं। इसलिए बदलते हुए मौसम मन को प्रभावित करते हैं। एक प्रकृति मनुष्य के बाहर है और एक प्रकृति भीतर है। जब बाहर प्रकृति बदलती है तो मन की प्रकृति को भी प्रभावित करती है। मौसम बदलने से मन की भावनाएं, विचार, इच्छाएं, सब कुछ बदलता है। जब आसमान में घने बादल छा जाते हैं, तब मन के आसमान में भी उदासी छा जाती है और जब बाहर चिड़िया चहकती है और फूल खिलते हैं, तब मन भी वसंत हो जाता है। इससे उलट, जब आदमी का मन बदलता है तो उसका असर प्रकृति पर दिखाई देता है। पर्यावरण की खराब हालत आदमी के हिंसक मन का ही असर है। उग्र स्वभावी व्यक्ति पर्यावरण का विनाश करता है। जिनके मन शांत और सुंदर होते हैं, वे अपने आसपास सौंदर्य की बगिया लगाते हैं, प्रकृति को खुशहाल रखते हैं, उसका आदर करते हैं।

अनुभव करो आनंद

जीवन के उत्सव में, जीवन के रस में, जीवन के छंद में, उसके संगीत में, उसे देखने की क्षमता जुटाना ही वसंत मनाना है। यह सुनते हो दूर कोयल की कुहू-कुहू? ऐसे ही तुम्हारे प्राणों में भी कोयल छिपी है। तुम्हारे अंतरतम में भी पपीहा है, जो पुकार रहा है, पी कहां! मगर तुम्हारे सिर में इतना शोरगुल है कि उस शोरगुल के कारण तुम सुन नहीं पाते। आनंद है अनुभव, लेकिन हमारे मन की आदतें तो दुख ही दुख की है। शिकायत, निंदा, विरोध, ये हमारी मन की आदते हैं। इन आदतों से जागो तो आनंद तो अभी घट जाए, इसी क्षण, यहीं। खोलो द्वार-दरवाजे। ये तुम्हारी सारी इंद्रियां आनंद के द्वार बनें। यह तुम्हारा मन आनंद को अंगीकार करने के योग्य शांत बने। ये तुम्हारे प्राण आनंदित होने के योग्य विस्तीर्ण हों, फिर जो होगा, वह उत्सव है, वही वसंत है।

परम अवस्था वसंत

वसंत वह स्थिति है, जो किसी भी वस्तु की परम खिलावट है, परम अवस्था है। इसमें पूरे जगत के विकास की बात है। हर चीज एक बीज की तरह पैदा होती है और हर बीज की नियति फूल बनना है। वह बन पाता है या नहीं, यह दूसरी बात है। जैसे फूल या फल बीज की आखिरी संभावना है, वैसे ही वसंत हर जीवित वस्तु की खिलावट है। हम सबके भीतर अपना वसंत छिपा हुआ है।

कृष्ण कहते हैं, 'मैं प्रत्येक के स्वभाव की सिद्धि हूं। जो-जो हो सकता है चरम शिखर पर, वह मैं हूं। ऋतुओं में खिला हुआ, फूलों से लदा हुआ उत्सव का क्षण वसंत है। परमात्मा को रूखे-सूखे, मृत घरों में मत खोजना। जहां जीवन उत्सव मनाता हो, जहां जीवन खिलता हो वसंत जैसा, जहां सब बीज अंकुरित होकर फूल बन जाते हों, उत्सव में, वसंत में, वह मैं हूं। सभी के भीतर जो संभावना है, वही तो मैं हूं।'

भगवान श्रीकृष्ण के इस कथन को अगर पूरे सार में हम रखें तो इसका मतलब हुआ कि सबके भीतर बीज रूपी संभावना है। बीज की ही तरह सभी के भीतर अंतिम उत्कर्ष की संभावना है। जैसे बीज का अंतिम विकास शिखर फूल बनना है, वैसे ही सभी के विकास का अंतिम शिखर जीवन में वसंत यानी खिलखिलाहट है। और जो इससे जरा भी पीछे छूट जाता है, वह अपने स्वभाव के शिखर से च्युत हो जाता है। वह अपने को पाने से वंचित रह जाता है यानी श्रीकृष्ण को पाने से भी वंचित रह जाता है। पूरे खिलने में ही उसकी पूर्णता है।

सौंदर्य की ऋतु

वसंत ऋतु खिलने की, सौंदर्य की ऋतु है। बाह्य प्रकृति में देखें तो यह रंगों और गधों का उत्सव होता है। इन दिनों हरियाली कुछ ज्यादा ही हरी होती है, धूप कुछ ज्यादा ही उजली दिखती है, और छोटे-छोटे घास के पौधे भी अपनी खुशी फूल बनकर जाहिर करते हैं। कलियों और भौंरों के बीच की गुफ्तगू इस कदर मदहोश करने वाली होती है कि समूचा निसर्ग गुनगुनाने लगता है। वसंत की यह गुनगुनाहट रसिक जनों को ऐसी गुदगुदाती है कि अनगिनत कवियों ने वसंत पर जितने गीत और गान लिखे हैं, उतने ही शायद ही किसी और ऋतु पर लिखे हों। संगीतकारों ने तो इस ऋतु में गाया जाने वाला एक राग भी बना दिया, जिसका नाम राग वसंत रखा। उस राग के सुरों में वही खिलावट और मस्ती है जो समूची प्रकृति में दिखाई देती है। इन गीतों में वसंत का माधुर्य उतर आता है। राग बसंत की एक बंदिश में कहा गया है.....

'केतकी गुलाब जूही चंपक बन फूल
ऋतु बसंत अपनो कंत गौरी गरवा लगाए
अंगना में बैठ-बैठ पी के संग झूले।'

वसंत का पूरा चित्र इस गीत में अंकित है। यह ऋतु प्रेमियों की भी ऋतु है। कहते हैं, काम देवता भी इसी समय अपना फूलों का धनुष-बाण संभाले प्रेमियों का प्रेम जगाने निकलते हैं।

वसंत की महिमा ऐसी है कि भगवद्गीता में श्री कृष्ण ने भी सर्वश्रेष्ठ बातों की गिनती करते हुए वसंत को शीर्ष स्थान दिया है।

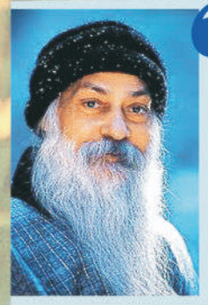

> ओशो ने कहा, 'तुम्हारी तैयारी हो तो कभी भी वसंत आने को तैयार है। वसंत द्वार पर खड़ा है। मधुमास तुम्हारी झोली भर देने को आतुर है, दृढ़ फूलों से, तारों से। और तुम्हें थोड़ी-थोड़ी झलक मिलने लगे सत्य की, या स्वयं की, कि बस तुम्हारे जीवन में झूला डाला! कि आया गीत गाने का मौसम! कि पैरों में घूंघरू बांधने का क्षण! कि ढोलों पर थाप देने का क्षण। कि बजे अब बांसुरी!'

BDGH since 1980 Together we make a difference

बिलासी देवी गट्टानी हॉस्पीटल

40 Years of Quality care Gattani Hospital

शास्त्री सर्कल, उदयपुर (राज.) मो. 9414162750, 9414169339, 9214460062

Web site - www.pileshospitaludaipur.com, E-mail: gattanihospital@gmail.com

पाइल्स (क्रायो द्वारा) फिशर, फिस्टूला चिकित्सा का एक मात्र विश्वसनीय केन्द्र

पाइल्स
(क्रायो द्वारा)

एक दिन में छुट्टी
20,000 सफल ऑपरेशन

आज ही जानें आपकी कब्ज़ की गंभीरता को-
GKC SCORE
तुरंत लॉगऑन करें-
www.pileshospitaludaipur.com
Scan to download our App

बच्चेदानी ऑपरेशन
(बिना टाँके / दूरबीन द्वारा)

रियायती दरों पर
सामान्य प्रसव एवं सिजेरियन

डॉ. मुकेश देवपुरा
एम.बी.बी.एस., डी.सी.एच.
मो. 94141-69339

नि:संतानता एवं स्त्री रोग चिकित्सा

शिशु चिकित्सा एवं टीकाकरण केन्द्र

पेट एवं गर्भाशय केंसर का आधुनिकतम् इलाज

डॉ. कल्पना देवपुरा
एम.बी.बी.एस., एम एस.
मो. 94141-62750

सभी प्रकार के दूरबीन ऑपरेशन (हर्निया, पथरी)

St. Anthony's Sr. Sec. School

Affiliated to CBSE, New Delhi

Wishing you all
a
Merry Christmas
&
A Happy Peaceful & Prosperous New Year 2020

478/479, Sector - 4, Hiran Magri, Udaipur
School Ext. Goverdhan Vilas, Udaipur

चुनावी बॉण्ड बहुत बड़ा स्कैन्डल

- अशोक गहलोत,
मुख्यमंत्री, राजस्थान

राजनीतिक दलों को फण्डिंग जब तक ब्लैकमनी से होती रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार को खत्म करने की बात भी बेमानी होगी। मुझे राजनीति में आए करीब 45 साल हो रहे हैं, और मैं देखता आ रहा हूँ कि राजनीति का पूरा खेल ब्लैकमनी पर ही टिका हुआ है। चाहे चुनावी बॉन्ड हो, चैक हो या फिर कैश, है तो वह ब्लैकमनी ही।

भ्रष्टाचार को लेकर आज पूरा देश चिंता में डूबा है। न्यायपालिका का अर्थ ही सत्य का पता करना और उसका साथ देना है। हमने भारतीय संस्कृति में ईश्वर को सत्य कहा है और सत्य ही ईश्वर है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी प्राय: यही कहते थे। जब ईश्वर ही सत्य है और सत्य ही ईश्वर है, तब न्याय भी सत्य पर ही आधाति होना चाहिए। जब भ्रष्टाचार की बातें होती हैं, उसको खत्म करने की कोशिशें होती हैं, तो मैं देखता हूँ कि इस दिशा में सुप्रीम कोर्ट भी कोई कमी नहीं रखता। कई बार जनहित याचिकाएं भी लगाई जाती हैं तो कई बार न्यायालय स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हैं। इन सब कोशिशों के बावजूद भ्रष्टाचार बढ़ता ही जा रहा है। पिछले 40 साल से सुप्रीम कोर्ट कैपिटेशन फीस को लेकर यह कह रहा है कि ये बन्द होनी चाहिए। लेकिन ऐसा हो नहीं रहा। जब 1980 में मैं पहली बार लोकसभा सदस्य बना तब से देख रहा हूँ कि यह फीस लगातार बढ़ती जा रही है। यह सिलसिला थम नहीं रहा। इसी तरह भ्रष्टाचार के अन्य मामले हैं। आप 'पिक एण्ड चूज' कर लीजिए। इनकम टैक्स और सीबीआई के छापे पड़ रहे हैं, कहीं ईडी भी पहुंच रहा है। पूरे देश में जिस तरह का माहौल है वह आप देख रहे हैं। ऐसे में अगर मैं यह कहूं कि 'जब तक राजनीतिक दलों को फण्डिंग ब्लैकमनी से होती रहेगी तब तक भ्रष्टाचार को खत्म करने की बात भी बेमानी होगी।' राजनीति का जो पूरा खेल है वह ब्लैकमनी पर ही टिका हुआ है। ब्लैकमनी चाहे वह चुनावी बॉण्ड हो चैक हो अथवा कैश, उसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता। राजनीति में चुनाव लड़ने की जब शुरूआत होती है तो वह ब्लैकमनी से ही होती है। चाहे वह किसी भी रूप में हो, है तो वह ब्लैकमनी ही। ऐसे लोग देश से कैसे करप्शन हटा सकते हैं, यह अब तक मेरी समझ से परे है। जो व्यक्ति ब्लैकमनी लेकर चुनाव जीतेगा उससे देश कैसे उम्मीद कर सकता है कि वह 'काले धन' को हटा पाएगा। न्यायपालिका भी उससे कैसे उम्मीद करेगी कि वो पारदर्शिता के साथ काम करे और भ्रष्टाचार मिटाए। आज देश में क्या नहीं हो रहा है कल्पना से परे है। राजनीतिक दलों की सारी पॉलिटिकल फण्डिंग बन्द हो रही है और जिस रूप में चुनावी बॉण्ड आ गए हैं ये अपने आप में बहुत बड़ा स्कैण्डल है। मैं चाहता हूं कि कोई ऐसी जनहित याचिका दायर हो या स्वप्रेरणा से न्यायालय प्रसंज्ञान ले और हमेशा के लिए इसका समाधान हो। यहां मैं किसी एक राजनैतिक दल की बात नहीं कर रहा, तमाम पार्टियां जो चन्दा लेती हैं वो प्राय: ब्लैकमनी ही है। दो नम्बर का पैसा होता है, इसमें कोई दो राय नहीं है और जब उससे शुरूआत होती है सरकारें बनने की, तो आप कल्पना ही कर सकते हैं कि देश का क्या होगा। मेरे लिए आज के मौके की बहुत अहमियत है। मेरी वर्षों से इच्छा थी कि कभी जाकर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस से मिलूं और अपनी भावना उन्हें बताऊं। मैं आज के अवसर को अपने लिए बहुत महत्वपूर्ण मानता हूँ। मेरे अपने शहर-गांव में सुप्रीम कोर्ट ही बिराजमान है। राष्ट्रपति जी का भी सान्निध्य है और इन्हें मैं अपने मन की बात कह सका।

जोधपुर में 7 दिसम्बर 2019 को राजस्थान हाईकोर्ट के नवनिर्मित भव्य भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने किया। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शरद अरविन्द बोवडे, राज्यपाल कलराज मिश्र, केन्द्रीय विधि मंत्री रविशंकर, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व राज्य के मुख्य न्यायाधीश आई. के. मोहंती सहित देश-प्रदेश के वरिष्ठ कानूनविद् व अधिवक्ता मौजूद थे। समारोह में मुख्यमंत्री गहलोत द्वारा व्यक्त बेबाक विचारों की खूब प्रशंसा हुई। प्रस्तुत है - देशकाल और परिस्थिति की कसौटी पर खरे उनके विचार।

रचनात्मक राजनीति और विकास की मिसाल राजस्थान

राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित एक मीडिया संस्थान ने नवम्बर 2019 में राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ सुशासित राज्य होने का सम्मान प्रदान किया। इसका श्रेय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ही जाता है। उन्हें और उनकी सरकार को बधाई। उनकी कर्मठता, अनुभव, संजीदा नेतृत्व और गांधीवादी दृष्टि से राजस्थान देश में रचनात्मक राजनीति और विकास की एक मिसाल पेश कर रहा है। मुख्यमंत्रित्व के तीसरे कार्यकाल की प्रथम वर्षगांठ पर प्रस्तुत है एक विशेष आलेख।

- सम्पादक

✍ वेदव्यास

हम अक्सर भीतर कम झांकते हैं और बाहर अधिक देखते हैं क्योंकि पराई थाली में हमें अधिक घी नजर आता है। 'घर की मुर्गी दाल बराबर' की पुरानी कहावत भी यही साबित करती है कि यदि सुख-शांति और विकास चाहते हो तो पहले अपने घेरे से बाहर आओ और फिर तीन लोक की दौड़ नंगे पांव लगाओ। जाने-अनजाने मन की इस दुविधा ने हमारे वर्तमान लोकतंत्र और संविधान को परिवर्तन और चुनौतियों का ऐसा

अजायबघर बना दिया है कि देश के 135 करोड़ देवी-देवता रात दिन यही प्रार्थना कर रहे हैं कि काश! हम भी उनके जैसे होते? क्योंकि राजस्थान में भले-बुरे सभी राजी-खुशी हैं। लेकिन हमारा राजस्थान, आज भारत का एक मात्र ऐसा प्रदेश है जो शांति और सुख-समृद्धि की तलाश में कछुए की तरह धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए विकास की दौड़ में अग्रणी रहने के सभी प्रयास करते हुए चतुर खरगोश को पीछे छोड़ता नजर आ रहा है। राजस्थान में विकास और रचनात्मक राजनीति की हमारी समझ आज ये है कि कोई एक दिन में हजारों साल का इतिहास नहीं बदलता। इसलिए धीरे-धीरे पांव जमाते हुए आगे बढ़िए। इस तरह हम धीरज, धर्म, मित्र और नारी की बुरे दिनों में परीक्षा लेते हुए ऐसा मान रहे हैं कि विकास को समाज में व्याप्त भूख, अशिक्षा, हिंसा, असमानता और जाति-धर्म के भेदभाव से मुक्त कराने का हथियार बनाया जाए और आम जनता को अधिक से अधिक शिक्षित, संगठित और संघर्षशील बनाया जाए। ऐसे में राजस्थान की राजनीति में समझ का आधार इसके जन्म(1949) से ही महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल और सामंतवाद विरोधी प्रजामण्डल के जन आन्दोलन ही रहे हैं। अभी हाल ही राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान ने भारत के सभी राज्यों के संवाद सम्मेलन में जब राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ सुशासित राज्य होने का सम्मान दिया, तो इस मूल्यांकन का आधार-राजस्थान की पंचायतीराज संस्थाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, पंचायतीराज में अधिकारों का वितरण, नागरिक और पंचायतों के लिए ई-मित्र सेवाओं का विस्तार जैसे कार्य बताए गए। इस मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बताया कि पंचायतीराज व्यवस्था, सूचना का अधिकार, रोजगार गारंटी का अधिकार (मनरेगा), शिक्षा का अधिकार, जवाबदेही का अधिकार, चिकित्सा का अधिकार और जीवन का अधिकार जैसे अनेक छोटे-छोटे कदम उठाकर ही राजस्थान ने अपने चेहरे, चाल और चरित्र को बदला है। आप शायद भूल गए हों कि अलवर जिले में पहलू खां की भीड़ द्वारा की गई हत्या के खिलाफ-राजस्थान ने ही देश में पहला कठोर कानून बनाया और धर्म-जाति के कुशासन को रोका है। दिवराला में रूपकंवर के सती कांड के बाद ही इस प्रथा को बंद करने का कानून भी यहीं से निकला है तो राज्य के 33 जिलों के संतुलित विकास की धारा भी अब यहां निरंतर प्रवाहित है। आज राजस्थान में भूख-प्यास से मौत की चर्चाएं सुनाई नहीं पड़ती और बाल विवाह, औसर-मौसर, दहेज प्रथा तथा डाकन-चुड़ैल प्रथा भी शिक्षा के फैलाव से समाप्ति की ओर है क्योंकि सरकार पूरी तरह जनता जनार्दन को ही समर्पित है और संतोष ही यहां का सुख है। हम ये नहीं कहते कि राजस्थान अब स्वर्ग और चहुंमुखी खुशहाल बन गया है, लेकिन हमें नकारात्मक राजनीति के चश्मे को बदलकर ये स्वीकार करना पड़ेगा कि आज राजस्थान, देश में रचनात्मक राजनीति और विकास की एक मिसाल है और इसकी योजनाओं में गांव, गरीब और पीड़ित ही इसकी पहली प्राथमिकता हैं। राजस्थान को लेकर 1949 से 2019 तक के विकास और परिवर्तन का यदि हम ईमानदारी से विश्लेषण करें तो पता चलेगा कि राजस्थान में आज जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं का सुख-संतोष है तथा कुछ अपवादों (महिला-दलित उत्पीड़न) को छोड़कर जीवन रक्षा के सभी साधनों का माहौल है। इस अर्थ में देशव्यापी, असंतोष, अराजकता और धार्मिक हिंसा के उन्माद भरे समुद्र में राजस्थान आज भी एक सामाजिक, आर्थिक सद्भाव का राज्य है। यहां अमन चैन है। आप सोचिए कि जब तथाकथित नए भारत में मंदिर-मस्जिद की गर्म हवाएं चल रही हों और धारा 370 को लेकर बहुमत का भय दिखाया जा रहा हो, समान नागरिका संहिता के नाम पर अल्पसंख्यकों को नीचा दिखाने की कोशिश हो, राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर का डर फैलाया जा रहा हो, चुनावी बांड के नाम पर पूंजीपतियों से चंदे का गुपचुप खेल चल रहा हो, नोटबंदी, जीएसटी, डिजिटल इण्डिया को नागरिकों की बदहाली तथा जासूसी का हथियार बनाया जा रहा हो, रिजर्व बैंक, चुनाव आयोग तथा कैग एवं सुप्रीम कोर्ट की स्वायत्तता को कमजोर किया जा रहा हो ऐसे में राजस्थान को सुशासन का सम्मान मिलना यही इंगित करता है कि यहां बुरे दिनों की एक ऐसी अच्छी सरकार है जो नागरिकों को अधिकतम अधिकार देकर लोकतंत्र और संविधान को मजबूत बना रही है। भय, दमन और नफरत की राजनीति का ऐसा जवाब राजस्थान में आज केवल सुख-दुःख में साथ रहकर गांधी, नेहरू, पटेल और आम्बेडकर का सपना जगाना ही हमारा प्रमुख उद्देश्य है। भूख, लालच और जाति-धर्म की नकारात्मक-राजनीति का बहिष्कार ही आज राजस्थान की पहचान और विशिष्टता है।

राजस्थान के नाम सर्वश्रेष्ठ सुशासित राज्य का सम्मान केन्द्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से ग्रहण करते मुख्यमंत्री अशोक गहलोत।

अलविंदा 'जीनियसों का जीनियस'

नहीं संभाल पाया देश वशिष्ठ नारायण के रूप में आइन्सटीन के सापेक्षता सिद्धांत को चुनौती देने वाली धरोहर

✍ निष्ठा नागदा

ना' सा में एक मिशन चल रहा था। अचानक 30 कम्प्यूटर फेल हो गए। वहां मौजूद एक शख्स ने लिखकर सटीक गणना कर दी। वह कोई और नहीं वशिष्ठ नारायण सिंह थे। वे सचमुच वशिष्ठ थे। विशिष्ठ थे। बिहार के आरा जिले के गांव बसंतपुर में 2 अप्रेल, 1942 को जन्मे थे। वे बिहार के गौरव थे। देश की शान थे।

पटना के पीएमसीएच में 14 नवम्बर को उन्होंने अंतिम सांस ली। देश के जाने-माने गणितज्ञ की मौत ने एक ऐसा सितारा खो दिया, जो दुनियाभर में जगमगा सकता था। अल्बर्ट आइंस्टीन के मास, लेंथ और टाइम के सिद्धांत को इस गणितज्ञ ने चुनौती दी थी। उनका इलाज बहुत लापरवाही से चल रहा था। वे गुमनामी में जी रहे थे। वें 73 वर्ष के थे। इस उम्र में भी छोटे बच्चे की तरह ही उनके लिए तीन-चार दिन में एक बार कॉपी-पेंसिल लानी पड़ती थी। प्रतिभा इतनी थी कि 1964 में उनके लिए पटना यूनिवर्सिटी ने कानून बदलकर उन्हें सीधे ऊपर की क्लास में दाखिला दिया। एक साल में ही उन्होंने बीएससी ऑनर्स कर लिया। उनकी प्रतिभा से हतप्रभ साइंस कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ. नागेन्द्र नाथ ने कॉलेज में आए प्रो. केली(बर्कले यूनिवर्सिटी) से वशिष्ठ का परिचय कराया। प्रो. केली की पहल पर वशिष्ठ कैलिफोर्निया पहुंचे। 8 सितम्बर, 1965 को बर्कले यूनिवर्सिटी में उनका दाखिला हुआ। 1966 में वह नासा में काम करने लगे। 1967 में कोलंबिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स के निदेशक बने। 1969 में पीएचडी का शोध पत्र दाखिल किया। तब यह सुर्खियों में रहा। लेकिन तहलका तब मचा जब अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षता सिद्धांत को चुनौती दे दी। पर दुर्भाग्य कि चुनौती देने वाली उनकी रिसर्च चोरी हो गई। इस बारे में कई तरह की बातें हैं लेकिन वह दस्तावेज आज तक नहीं मिल पाए। वे 1971 में भारत आए। आईआईटी कानपुर में प्राध्यापक भी रहे। 1973 को उनकी शादी हुई, जो नाकाम रही। उनका मानसिक संतुलन बिगड़ा। जनवरी 1974 में उन्हें विक्षिप्त मानकर रांची में भर्ती कराया गया। 1993 में उन्हें होटल के बाहर झूठन खाते भी देखा गया था। उनके निधन पर पीएम नरेन्द्र मोदी और बिहार के सीएम नीतिश कुमार ने भी श्रद्धांजलि तो दी, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने उपेक्षा की। उनका शव एम्बुलेन्स के इंतजार में करीब डेढ़ घंटे तक अस्पताल के बाहर स्ट्रेचर पर पड़ा रहा।

वशिष्ठ बाबू के देहांत से रिक्त हुई जगह को भर पाना लगभग नामुमकिन है। भले ही बीमारी और उपेक्षा की वजह से उन्होंने गुमनामी का जीवन गुजारा था, लेकिन गणित में उन्होंने अद्‌भुत काम किया था। विडम्बना यह है कि उनके दस्तावेज को संभाला नहीं जा सका, जिस कारण उनके साथ उनका काम भी इस धरा से विदा हो गया है। उनके द्वारा लिखित शायद ही ऐसा कुछ बचा होगा, जिसके सहारे गणित को नए तरीके से समझा जा सके। सही माहौल का न मिलना उनकी मौत की मूल वजह है। यदि सरकार और समाज उनके साथ खड़े रहते, तो मुमकिन है कि आज भारत के फलक पर दुनिया में जगमगाता एक सितारा होता। मगर अब वह टूटकर बिखर चुका है।

अब हम हर साल 14 नवम्बर को वशिष्ठ नारायण सिंह को याद करेंगे। वह कई दशकों से बीमार थे, स्मृति-लोप या सिजोफ्रेनिया ने उनकी उस प्रतिभा को लगभग निरर्थक बना दिया था, जिसके झंडे उन्होंने कभी पूरी दुनिया में गाड़े थे और जिस वजह से हम आज उन्हें याद कर रहे हैं। वशिष्ठ नारायण सिंह का पूरा मामला बताता है कि एक समाज और एक देश के तौर पर अपनी प्रतिभाओं और महान सपूतों के साथ हम किस तरह का बर्ताव करते हैं, खासकर जब वे निजी स्तर पर किसी संकट में होते हैं। बिहार के एक छोटे से

पिछड़े और सुविधाहीन गांव से निकलकर कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी तक गणित की अपनी प्रतिभा के झंडे गाड़ने वाले इस गणितज्ञ की कहानी हमें एक अन्य महान भारतीय गणितज्ञ रामनुजन की याद दिला देती है। स्थानीय स्तर पर रामानुजन की प्रतिभा को कुछ लोग भले ही जानते-समझते थे, लेकिन सच यही था कि वह भारत में एक क्लर्क की साधारण सी जिंदगी जीने को मजबूर थे। जब वह कैंब्रिज यूनिवर्सिटी पहुंचे और गणित के उनके सूत्रों की चर्चा पूरी दुनिया में तकरीबन हर जगह होने लगी, तब जाकर भारत में उन्हें एक असाधारण प्रतिभा माना गया। यही वशिष्ठ नारायण सिंह के साथ भी हुआ, यहीं पर हमें भारतीय वैज्ञानिक हरगोबिंद खुराना को भी याद कर लेना चाहिए। उन्होंने भी अपना शोध विदेश में पूरा किया था। शोध के बाद वह भारत आए, लेकिन यहां उन्हें ऐसी ठीक-ठाक नौकरी तक नहीं मिली, जिससे वह अपने वैज्ञानिक शोध के सिलसिले को आगे बढ़ा पाते, इसलिए उन्होंने हमेशा के लिए भारत को अलविदा कह दिया। उसके बाद उन्होंने जो शोध किया, उसने उन्हें नोबेल पुरस्कार तक पहुंचाया। जब वशिष्ठ नारायण सिंह लौटे, तो भारत में ही रहे, यहीं उनके जीवन का सबसे बुरा अध्याय भी लिखा गया।

सफ़रनामा

- 1971 : भारत वापस लौटे
- 1972-73 : आईआईटी कानपुर में प्राध्यापक, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (ट्रांबे) और इंडियन स्टैटिक्स इंस्टीट्यूट के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन।
- 8 जुलाई, 1973 : शादी
- जनवरी 1974 : विक्षिप्त स्थिति में रांची के मानसिक आरोग्यशाला में भर्ती
- 1978 : सरकारी खर्चे पर इलाज शुरू
- जून 1980 : सरकार द्वारा इलाज का पैसा बंद
- 1982 : डेविड अस्पताल में बंधक
- 9 अगस्त 1989 : गढ़वारा(खंडवा) स्टेशन से लापता
- 7 फरवरी 1993 : डोरीगंज(छपरा) में एक झोपड़ीनुमा होटल के बाहर फेंके गये जूठन में खाना तलाशते मिले
- अक्टूबर 2019 : पीएमसीएच के आईसीयू में भर्ती
- 4 नवम्बर 2019 : पटना के पीएमसीएच में निधन

हमेशा रहे उपेक्षा के शिकार

वशिष्ठ बाबू देश में हमेशा उपेक्षा के शिकार होते रहे। 8 जुलाई, 1973 को आईपीएस अधिकारी की पुत्री से उनकी शादी हुई थी, लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। वशिष्ठ बाबू की तबीयत बिगड़ी और जनवरी 1974 में वे मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गए। उन्हें रांची स्थित मानसिक आरोग्यशाला में भर्ती कराया गया। शासन-प्रशासन से उन्हें कोई मदद नहीं मिली और बाद में नेतरहाट ओल्ड बॉयज एसोसिएशन(नोबा) ने उनके इलाज के लिए पैसे का इंतजाम किया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती के पीछे मंशा क्या है?

❖ सभी पुनर्विचार याचिकाएं खारिज, अब क्यूरेटिव पिटीशन की तैयारी

✍ रमेश गोस्वामी

सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या विवाद सम्बन्धी उसके फैसले को लेकर दायर सभी 18 पुनर्विचार याचिकाएं 12 दिसम्बर को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने याचिकाओं पर विचार के बाद उन्हें निरस्त कर दिया। इस पीठ में केवल न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ही नए सदस्य थे, जो न्यायमूर्ति रंजन गोगोई के सेवानिवृत्त हुए रिक्त पद पर मनोनीत किए गए। पीठ ने कहा कि 9 नवम्बर के फैसले पर पुनर्विचार का कोई आधार इन याचिकाओं में नहीं है। सन् 2016 में पिता हाशिम अंसारी की मौत के बाद बाबरी मस्जिद के मुख्य पक्षकार बने इकबाल अन्सारी ने पुनर्विचार याचिकाएं खारिज होने के बाद कहा कि – **'हम इन याचिकाओं को दाखिल करने के पक्ष में ही नहीं थे। शीर्ष अदालत ने 9 नवम्बर को जो फैसला दिया था, उसे देशभर में स्वीकार किया गया। कहीं कोई विरोध नहीं हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने देशहित में पुनर्विचार याचिकाएं खारिज की हैं। हम तो पहले ही कोर्ट के फैसले को मान रहे थे।'** हिन्दू और मुस्लिम पक्ष व अन्य संगठनों ने फैसला आने से पहले ही उसको स्वीकार करने की सार्वजनिक घोषणा की थी। उसके बाद इस तरह की याचिकाओं के माध्यम से शांत माहौल को फिर से उत्तेजित करने और न्यायपालिका के निर्णयों पर प्रश्न चिह्न लगाने की कोशिशें ठीक नहीं ठहराई जा सकती। सन् 1986 में गठित बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के संयोजक जफ़रयाब जिलानी पुनर्विचार याचिकाओं के खारिज होने के बाद 'क्यूरेटिव पिटीशन' दायर करने की मंशा से अपने वकीलों से सलाह-मशविरा करने में जुट गए हैं।

अयोध्या विवाद पर आए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का हिन्दू और मुस्लिम समुदाय ने स्वागत किया था और दोनों समुदायों ने संयम तथा परिपक्वता का परिचय दिया। लेकिन कुछ तथाकथित मुस्लिम नेता व धार्मिक गुटों ने फैसले पर सवाल उठाने भी शुरू कर दिये। जिनमें बाबरी एक्शन कमेटी के संयोजक जफरयाब जिलानी और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सबसे आगे हैं। ये वही लोग हैं जो सुनवाई के दौरान और फैसले से पहले यह कहते सुने जाते थे कि वे फैसले का सम्मान करेंगे। हालांकि सुन्नी वक्फ बोर्ड ने स्पष्ट कहा था कि वो पुनर्विचार याचिका दायर ही नहीं करेगा और वह अपेन निर्णय पर अडिग भी रहा। अच्छा होता कि सुन्नी वक्फ बोर्ड के फैसले को सभी स्वीकार कर लेते, लेकिन कुछ गुट नहीं मान रहे हैं। अयोध्या फैसले के विरूद्ध मामले के मूल पक्षकार रहे एम. सिद्दीकी के कानूनी वारिस तथा उत्तरप्रदेश जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष अशद रशीदी ने फैसले के 14 बिन्दुओं पर 2 दिसम्बर को पुनर्विचार याचिका दायर की थी। कुल 217 पन्नों की इस पुनर्विचार याचिका में कहा गया कि **'फैसले के हर हिस्से पर विवाद नहीं, लेकिन फैसले के कुछ बिन्दुओं पर तो पुनर्विचार होना ही चाहिए। शीर्षकोर्ट का फैसला अवैध कृत्यों को पुरस्कृत करने जैसा है।'**

पुनर्विचार के मुख्य आधार

- विवादित स्थल में मंदिर निर्माण की अनुमति बाबरी मस्जिद को ध्वस्त करने का परमादेश देने जैसा है।
- 1934, 1949 और 1992 में मस्जिद के खिलाफ किए गए कृत्यों को पुरस्कृत करने जैसा है। जिनकी खुद न्यायालय ने भर्त्सना की है।
- कोई भी व्यक्ति अवैधता से कोई लाभ नहीं ले सकता है - फैसले में इस सिद्धान्त की अवहेलना की गई है।
- न्यायालय ने इस सिद्धांत की अवहेलना की है कि कोई अवैध कृत्य सिविल मुकदमे का आधार नहीं हो सकता। सिविल मुकदमे में अनुच्छेद 142 को गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया है।
- केवल यह दावा कि हिन्दू पक्षकार भगवान राम के जन्म स्थान की पूजा करने के लिए केन्द्रीय गुम्बद की तरफ देखते थे। मालिकाना हक देने का आधार नहीं हो सकता।
- न्यायालय ने इस बात की सराहना नहीं कि संरचना हमेशा एक मस्जिद थी और एकमात्र मुसलमानों के कब्जे में थी।
- 1528 से 1856 के बीच मस्जिद के उपयोग के सवाल पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम की अनदेखी हुई।
- न्यायालय ने यात्रिकों के वृतांतों और पुरातात्त्विक निष्कर्षों पर भरोसा करके गलती की, जबकि खुद ही कहा कि वह अनिर्णायक हैं।
- विवादित ढांचे को ढहाने और जबरन घुसने को विवादित स्थल पर हिन्दू पक्षकारों का दावा मानना अनुचित है।
- कोर्ट ने असमान रूप से मुस्लिम पक्षकारों के दस्तावेजी साक्ष्यों के बजाय हिन्दू पक्षकारों की मौखिक गवाही को तरजीह दी। परिणाम स्वरूप संभावनाओं के प्रसार के सिद्धांत का गलत प्रयोग हुआ।

यही सही है कि किसी भी मामले में हार और जीत के नजरिये से पक्षकारों को पुनर्विचार याचिका दायर करने का अधिकार है। लेकिन याचिकाकर्ताओं को जिन बिन्दुओं पर एतराज है, अदालत उस हर प्रश्न का जवाब दे चुकी है। इस याचिका के चार दिन बाद कुछ और नई याचिकाएं भी दाखिल की गईं। जो मुफ्ती हसबुल्ला, मोहम्मद उमर, हाजी महबूब, मिसबादुद्दीन और मो. अयूब सहित अन्य लोगों ने दायर की, जिन्हें ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का समर्थन हासिल था। इन याचिकाओं में भी लब्बे-लुबाब बात यही थी कि जमीन के मालिकाना हक के विवाद में उनके साथ 'घोर अन्याय' हुआ है। उक्त मुस्लिम व्यक्तियों और संगठनों के अलावा निर्मोही अखाड़ा और हिन्दू महासभा तथा मानवाधिकार कार्यकर्त्ताओं के रूप में 40 अन्य लोगों ने भी याचिका दायर की थी, जिस पर कोर्ट ने कहा कि जो **'मूल वाद में पक्षकार ही नहीं थे, उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।'** सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मानकर न्यायपालिका में विश्वास जताने के बजाय समाज को निरन्तर 'उबाल' पर रखने की चेष्टाएं किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कही जा सकती।

क्यूरेटिव पिटीशन के संकेत

राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्षकार सुप्रीम कोर्ट से पुनर्विचार याचिका खारिज होने के बाद अब क्यूरेटिव पिटीशन (उपचारात्मक याचिका) दायर करने की जुगत में हैं। क्यूरेटिव पिटीशन, न्यायालय में शिकायतों के निवारण के लिए उपलब्ध अंतिम न्यायिक सहारा है। इस मामले में एक स्वतंत्र वादी, जमीयत उलमा-ए-हिन्द(जेयूएच) ने जल्द ही इस पर फैसला लेने के संकेत दिए हैं। अखिल भारतीय बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी(एआइबी एमएसी) भी एक क्यूरेटिव पिटीशन की संभावना पर चर्चा कर रही है।

एआइबीएमएसी के संयोजक और वकील जफरयाब जिलाने ने कहा, 'मैं सुप्रीम कोर्ट में एक क्यूरेटिव पिटीशन दायर करने के लिए एक आधार का पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं। हम इस बारे में वकील राजीव धवन से भी सलाह लेंगे।'

Dr. Sunil Goyal
M.S. (Surgery)

Happy New Year

Tel. : 0294-2640852 (Hosp.)
2640251, 3291459 (R)

RAJASTHAN HOSPITAL & RESEARCH CENTRE

● MEDICAL ● SURGICAL ● MATERNITY

69, I-Block, Sector-14, Goverdhan Villas, UDAIPUR (Raj.)

Res. : 54, I-Block, Sector-14, Goverdhan Villas, UDAIPUR (Raj.)

E-mail : Karunagoyal@hotmail.com, rajhospital20@yahoo.com

G. R. SUYAL
Managing Director

II Maa Chamunday Namah II

Happy New Year

Chamunda Petrochemicals Pvt. Ltd.

Manufacture & Distributors of :All Kinds of Petrochemicals

Faectory : E-35 & 35-A, RIICO Industrial Area, Gudli Distt. Udaipur
Office : 15-B "E" Class Pratap Nagar By Pass Chouraha, Udaipur (Raj.)
Mob.: 94141 57372, 98290 44372 Fax : 2493222 Ph. : 0294-2491372 (O)
E-mail : cpcpltd@rediffmail.com Website : www.chamundapetrochem.com

तिल के नए-नवेले स्वाद

मकर संक्रांति पर तिल के व्यंजन हर घर में विशेष रूप से बनाएं जाते हैं। यूं तो शीत ऋतु में खाई जाने वाली हर मिठाई में तिल मिल जाएगा। क्योंकि इसमें पोषक तत्व अधिक मात्रा में होते हैं। तिल में प्रचुर मात्रा में मैग्निशियम होता है, जो हायपरटेंशन से बचाता है। इसमें मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट्स रोग-प्रतिरोधक तंत्र को मज़बूती प्रदान करते हैं।

✍ कल्पना नागदा

तिल कटलेट

सामग्री : सफेद तिल-एक कप, आलू-3 उबले, काजू-टुकडी-दो बड़े चम्मच, ब्रेड-3 स्लाइस, अदरक व हरी मिर्च बारीक कटी-एक-एक छोटा चम्मच, शाही जीरा-आधा छोटा चम्मच, चाट मसाला-एक छोटा चम्मच, तेल-तलने के लिए, नमक व लाल मिर्च-स्वादानुसार।

विधि : सबसे पहले तिल की आधी मात्रा को फूल जाने तक सेकें व कूटकर दरदरा कर लें। उबले आलू को छीलकर मैश कर इसमें कुटे तिल, बारीक कतरी अदरक, हरी मिर्च, शाही जीरा, नमक, चाट मसाला व पानी में भीगी और निचुड़ी ब्रेड को डालकर अच्छी तरह मिलाएं। तैयार मिश्रण से मनचाहे, आकार में कटलेट बनाकर इन्हें शेष बचे कच्चे तिलों से कवर कर गर्म तेल में सुनहरा होने तक तलें। तैयार कटलेट को सॉस या चाटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

तिल गुझिया

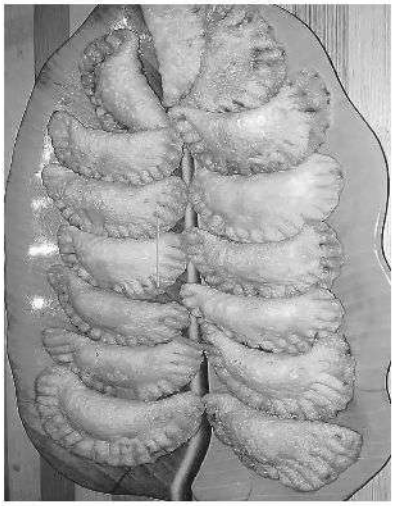

सामग्री : मैदा-1 कप, कीसा मावा-1 कप (हल्का भुना हुआ), भुने तिल-आधा कप, सूखे मेवे की कतरन-2 बड़े चम्मच(काजू, किशमिश, चारोली), शक्कर पिसी हुई-आधा कप, पिसी इलायची-आधा छोटा चम्मच, घी-आवश्यकतानुसार।

विधि : मैदे में 2 बड़े चम्मच पिघले घी का मोयन डालकर ठंडे पानी की मदद से सख्त आटा गूंधे। आटे को गीले कपड़े से 15 मिनट ढककर रखें। मावे में भुने तिल, सूखे मेवे की कतरन, शक्कर व इलायची अच्छी तरह से मिलाकर भरावन तैयार करें। अब गूंधे मैदे की लोई बनाकर पूरी बेलें। इसमें भरावन भरकर गुझिया का आकार दें। इन्हें गर्म घी में धीमी आंच पर सुनहरा गुलाबी तल लें। तिल के स्वाद वाली ये स्वादिष्ट गुझिया सभी को पसंद आएगी।

तिल बर्फी

सामग्री : तिल-200 ग्राम, कंडेस्ड मिल्क - 200 ग्राम, घी-1 बड़ा चम्मच, पिसी इलायची-एक चौथाई चम्मच।

विधि : कड़ाही में तिल को सूखा ही हल्का-सा सेक लें। ठंडा होने पर दरदरा पीसें। नॉनस्टिक पैन में घी गर्म करें। इसमें भुने तिल का पाउडर डालकर 2 मिनट भूनें। कंडेस्ड मिल्क मिलाकर लगातार चलाते हुए पकाएं। जब ये कड़ाही छोड़ने लगे तब इलायची मिलाकर तुरंत चिकनाई लगी गहरी ट्रे या थाली में पलटकर सेट होने के लिए छोड़ दें। मनचाहे आकार के टुकड़े काटकर टेस्टी तिल बर्फी सर्व करें। ये आसान व झटपट बनने वाली रेसिपी है।

तिल हलवा

सामग्री : तिल-आधा कप, घी-एक चौथाई कप, गुड़-आधा कप, सूजी-एक चौथाई कप, पिसी इलायची-एक चौथाई छोटा चम्मच।

विधि : तिल को रात भर पानी में भगोकर रखें। सुबह पानी निथारकर मिक्सी में महीन पीस लें। अब कड़ाही में घी गर्म करें। इसमें सूजी डालकर गुलाबी होने तक सेकें। अब तिल का पेस्ट डालकर लगातार हिलाते हुए भूनें। सुनहरी रंगत होने पर आवश्यकतानुसार पानी मिलाएं। गुड़ मिलाकर 3-4 मिनट पकाएं। अंत में पिसी इलायची मिलाकर आंच बंद करें। स्वादिष्ट तिल गुड़ का हलवा तैयार है। सूखे मेवों से सजाकर गरमा-गरम हलवा पेश करें। सर्दियों में इसका सेवन बहुत लाभप्रद होता है।

राष्ट्रीय दृष्टिहीन क्रिकेट कुम्भ

चैम्पियनशिप पर केरल का कब्जा

विजेता

✍ विकास निगम

दिव्यांगजन की सेवा में सतत् सक्रीय नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में 30 नवम्बर से विश्व विकलांगता दिवस 3 दिसम्बर 2019 तक उदयपुर में राष्ट्रीय दृष्टिहीन क्रिकेट चैम्पियनशिप-2019 का सफल आयोजन हुआ। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इण्डिया तथा राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ द ब्लाइंड के सहयोग से आयोजित इस चार दिवसीय क्रिकेट कुम्भ का उद्घाटन राजस्थान के पूर्व गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया ने महाराणा भूपाल महाविद्यालय मैदान पर ध्वजारोहण कर किया। अध्यक्षता विधायक फूलसिंह मीणा ने की। विशिष्ट अतिथि विधायक धर्मनारायण जोशी व पूर्व क्रिकेटर प्रो. रघुवीर सिंह राठौड़, राजकीय दृष्टिहीन उच्च मा. विद्यालय की प्राचार्य डॉ. आभा शर्मा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक मान्धाता सिंह व मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स क्लब के प्रभारी डॉ. भीमराज पटेल थे। संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव', अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, सहसंस्थापिका कमला देवी अग्रवाल व निदेशक वंदना अग्रवाल भी उपस्थित थे।

खिलाड़ियों का मार्चपास्ट

पद्मश्री कैलाश 'मानव' ने अतिथियों व खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उनके खेल में उत्तरोत्तर निखार तथा आयोजन की सफलता की कामना की। अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने चैम्पियनशिप की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि दिव्यांग खेल प्रतिभाओं के विकास के लिए संस्थान द्वारा एयरपोर्ट रोड (डबोक) स्थित परिसर में सर्वसुविधा युक्त नारायण स्पोर्ट्स एकेडमी का विकास किया जा रहा है। संचालन ओमपाल सिलन ने किया। कमेन्टेटर भावेश थे।

विश्व विकलांगता दिवस 3 दिसम्बर को महाराणा भूपाल कॉलेज मैदान पर समापन एवं पुरस्कार वितरण हुआ। फाइनल मैच में केरल ने राजस्थान की टीम को 10 विकेट से हराया। राजस्थान की टीम उपविजेता रही। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर श्रीमती आनंदी थीं। अध्यक्षता पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती विनीता जी ठाकुर ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, प्रदेश कांग्रेस सचिव पंकज कुमार शर्मा, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज भटनागर थे। संस्थान के चेयरमैन पद्मश्री कैलाश 'मानव' ने अतिथियों का स्वागत किया तथा अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने टूर्नामेंट का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। केरल के आलराउन्डर मनीष को 'मैन ऑफ द सीरीज' चुना गया। टूर्नामेंट में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, गोवा, केरलव पं. बंगाल की टीमों ने भाग लिया।

उपविजेता

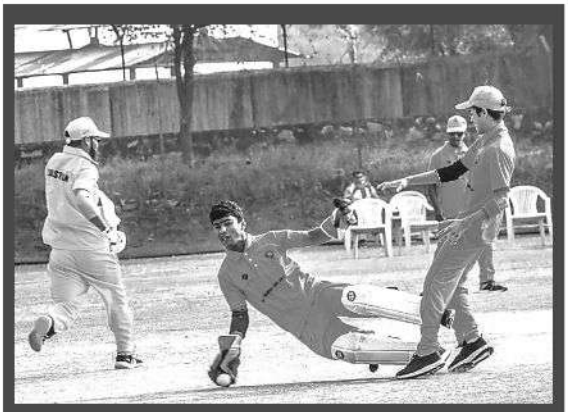

खेल की अलग तकनीक

मैंने टूर्नामेंट प्रभारी के रूप में कुछ विशेष बातें नोट की, जिन्हें आपसे शेयर कर रहा हूँ। दृष्टिहीन क्रिकेट के लिए बीसीसीआई जैसा ही राष्ट्रीय स्तर पर बोर्ड है, जिसका नाम सीएबीआई यानी क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ ब्लाइंड इन इंडिया है। जो समय-समय पर नियम बनाता है और बदलाव भी करता है। राज्य, नेशनल और इंटरनेशनल के लिए सभी नियम एक जैसे होते हैं। इसमें तीन केटेगरी के खिलाड़ी शामिल किए जाते हैं। बी-वन, बी-टू, बी-थ्री। बी वन में वे खिलाड़ी होते हैं जो शत प्रतिशत देख नहीं सकते। बी-टू में अस्सी फीसदी और बी-थ्री में साठ फीसदी दृष्टिबाधित खिलाड़ी होते हैं। हर टीम में 4-4 ऐसे खिलाड़ी होने जरूरी होते हैं जो बी-वन और बी-टू से हों। बी-वन केटेगरी के खिलाड़ी को डबल स्कोर मिलता है। यानी वह सिंगल रन लेता है तो उसे 2 रन मिलते हैं। बी-वन खिलाड़ी के लिए रनर रखना अनिवार्य होता है। गेंदबाजी में जमीन से लुढ़कती हुई गेंद फेंकी जाती है। गेंद अगर ड्रॉप के साथ जाए तो वह नो बॉल माना जाता है। गेंद के अंदर छर्रे भरे रहते हैं जिसकी आवाज सुनकर बल्लेबाज बल्ला घुमाता है। मैदान भी सामान्य क्रिकेट से अपेक्षाकृत थोड़ा छोटा होता है।

पाठकपीठ

गलियारे पर सख्त चौकसी

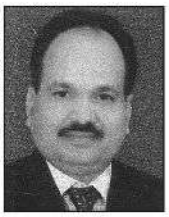

गुरुनानक देवजी के 55वें प्रकाश पर्व पर भारत-पाक के बीच करतारपुर गलियारे का उद्घाटन होना और इस पर चलकर 4.50 किलोमीटर दूर गुरु के द्वार पहुंच कर मत्था टेकना श्रद्धालुओं के लिए निश्चित रूप से एक नई सौगात थी। किन्तु पाकिस्तान की हरकतें किसी से छिपी नहीं हैं, वह इस गलियारे का दुरूपयोग कर सकता है। ऐसी आशंका पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने भी प्रकट की है। अतएव इस पर हमारे सुरक्षा इन्तजाम चौबीसों घंटे पुख्ता होने चाहिए। दिसम्बर के 'प्रत्यूष' अंक में 'गुरु के द्वार श्रद्धा का सैलाब' आलेख अच्छा लगा।

कैलाश चौधरी, उद्योगपति

लद्दाख व कश्मीर का त्वरित विकास

धारा 370 हटने से जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के केन्द्र शासित प्रदेश बनने के बाद वहां आए भौगोलिक, राजनैतिक व प्रशासनिक बदलावों को लेकर लिखा गया। भगवान प्रसाद गौड़ का आलेख 'कश्मीर से कन्या कुमारी तक एक विधान' पढ़कर काफी कुछ जानकारी मिली। निश्चय ही राष्ट्र की एकता-अखण्डता के लिए यह बदलाव जरूरी थे। केन्द्र को अब जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के त्वरित विकास व लोगों की समस्याओं के निस्तारण में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

दिलीप गलुण्डिया, उद्योगपति

इससे अधिक लज्जाजनक क्या?

'वोटों की राजनीति में खो गई : शहादत की शताब्दी' आलेख प्रकाशन के लिए धन्यवाद। सचमुच मौजूदा राजनीति सिर्फ सत्ता केन्द्रित हो गई है। महाराष्ट्र में सत्ता के लिए जिस तरह से महीने भर तक जोड़-तोड़ होती रही और यह वही लोग कर रहे थे जिन्हें जनता ने सेवा के लिए चुना था, किन्तु वे जनता के इस विश्वास को ठोकरों पर लेकर 'मेवा' खाने की जुगत में लगे रहे। जलियांवाला बाग में हुई 1919 की शहादत की घटना को सभी राजनेता और पार्टियां भूल गई, इससे अधिक उनके लिए लज्जाजनक और क्या हो सकता है। वे श्रद्धा के दो शब्द-सुमन चढ़ाना भी भूल गए।

चंदन सुहालका, उद्यमी

प्रदूषण का बढ़ता खतरा

प्रदूषण के खतरे को लेकर जागरूकता सम्बंधी आलेख 'हमें चाहिए साफ़ नीला आसमान' 'प्रत्यूष' के दिसम्बर 2019 के अंक की एक सामयिक चेतावनी है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद राज्य सरकारों का ढुलमुल रवैया खेदजनक है। बढ़ते प्रदूषण से प्राणिमात्र संकट में है। अतएव इस संदर्भ में केन्द्र सहित सभी राज्य सरकारों को योजनाबद्ध उपाय शुरू करने चाहिए। प्रदूषण दिल्ली, यूपी, पंजाब, हरियाणा की ही समस्या नहीं है, प्रदूषित वायु अन्य राज्यों के लोगों के लिए भी जान का खतरा बन रही है।

अभिषेक सिंघटवाड़िया, उद्यमी

नए साल के उतार-चढ़ाव

पं. गोपालजी शर्मा

मेष

शि का स्वामी मंगल है। इस वर्ष आपकी राशि में शनिदेव का दशम भाव से ताम्रपाद से भ्रमण शुभ है ; का स्वर्णपाद से भ्रमण संघर्षकारक है। शरीर को कष्ट, व्यापार में सुधार से लाभ होगा। सूर्य पंचम भाव ोकर व्यय भाव में मित्र गुरु की राशि मीन में शुभाशुभ फलप्रद स्थिति में चलेंगे। चन्द्रमा सुख भाव के कर मित्र मंगल की राशि मेष में शुक्र के साथ युति कर शुभफलप्रद रहेंगे। बुध तृतीय एवं षष्ठ भाव के कर लाभ भाव में मित्र शनि की राशि कुंभ में चलेंगे। गुरु भाग्य भाव एवं व्यय भाव के स्वामी होकर में अपनी राशि धनु में केतु के साथ युति करेंगे। शुक्र सप्तम भाव के स्वामी होकर शत्रु मंगल की राशि के साथ युति करेंगे। शनि दशम एवं एकादश भाव के स्वामी होकर अपनी ही राशि मकर में रहेंगे। राहु ः तृतीय एवं नवम के स्वामी होकर मित्र बुध की राशि मिथुर एवं धनु राशि में ग्रहण योग बना रहे हैं। वर्ष के प्रारंभ में आर्थिक हालात सामान्य रहेंगे। कार्य व्यवसाय में गतिरोधपूर्ण सफलता मिल सकती जीवन में सुख-शान्ति, मधुरता, समरसता बनी रहेगी, परन्तु जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर यदा- रहेगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य सुख कारक रहेगा। अविवाहितों के विवाह संबंधि प्रयास ो। कार्य व्यवसाय के विस्तार की योजना यदि हो तो पूर्ण मंथन अवश्य करें। राजनैतिक क्षेत्र में आपके जनसम्पर्क बढ़ सकता है। अचानक कोई विशेष पद प्राप्ति हो सकती है। परंतु वाणी की उग्रता से अनादर तेयां भी उत्पन्न हो सकती है। खिलाड़ियों व विद्यार्थियों की सफलता के योग बनते हैं। किसी राजनेता ावशाली व्यक्ति से संपर्क होगा। जिससे सभी कार्यों में सफलता देर-सेवर मिलती रहेगी। शासकीय ों को नवीन पद और अधिकार की प्राप्ति हो सकती है। हालांकि अनर्गल वाद-विवाद से कष्ट भी संभावित हन व शत्रु से सावधानी रखें। श्री पंचमुखी हनुमान स्त्रोत का पाठ शान्तिदायक हो सकता है।

वृषभ

में शनिदेव रजतपाद से भमण कर रहे हैं। यह वर्ष आपको सफलता देने वाला होगा। उत्साह में वृद्धि, क्षेत्र में मान वृद्धि होगी। राहु ताम्रपाद से आपको वैभव की प्राप्ति करायेंगे। वर्ष के मध्य में धन हानि ाहु केतु द्वितीय एवं अष्टम भाव में ग्रहण योग एवं चांडाल योग बना रहे हैं। जो शुभफलप्रद नहीं है। गुरु एवं लाभ भाव के स्वामी होकर अष्टम भाव में स्वयं राशि में केतु के साथ चांडाल योग बना रहे है। जो ल कारक रहेंगे। बुध धन भाव एवं पंचम भव के स्वामी होकर दशम भाव में मित्र शनि की राशि में कुछ स्थिति में चलेंगे। मंगल सप्तम भाव एवं व्यय भाव के स्वामी होकर भाग्य भाव में अपनी उच्च राशि में ाथ युति कुछ शुभफलप्रद स्थिति में चलेंगे। चन्द्रमा तृतीय भाव के स्वामी होकर लग्न में अपनी उच्च छ शुभफल प्रद स्थिति में चलेंगे। सूर्य चतुर्थ भाव के स्वामी होकर लाभ भाव में मित्र गुरु की राशि मीन ान होने से शुभफल प्रद स्थिति में चलेंगे। फलतः इस नूतन वर्ष में आपकी राशि में गुरु केतु शुक्र स्थिति में चलने से स्वास्थ्य एवं आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष कुछ उतार-चढ़ाव सा रहेगा। रोगों से कष्ट हो कार्य के प्रति लापरवाही ना बरतें। मानसिक उद्विग्नता रह सकती है। बनते कार्यों में बाधा आ सकती का सहयोग रहेगा। रचनात्मक कार्य से मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अविवाहितों के विवाह सम्पादन बनती-बिगड़ती रहेगी। बेवजह धन का अपव्यय हो सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें अन्यथा धोखा है। राजकर्मचारी एवं राजनेताओं की लापरवाही भारी हानि का कारण बन सकती है। उपाय हेतु शत्रु तथा नवग्रह दोष निवारण यंत्र स्थापित कर नित्य पूजन करें।

मिथुन

आपकी राशि में आठवें भाव से शनिदेव लोहपाद से व राहु रजत पाद से प्रवेश कर रहे हैं। शनिदेव लोहपाद से दुःख कलहकारी एवं व्यापार में अड़चन देंगे, वहीं राहु रजतपाद से सफलतादायक हैं। यह वर्ष मिलाजुला फल देगा। व्यापार में लाभ, शत्रुपक्ष से हानि तथा परिवार में धार्मिक कार्य से धन व्यय रहेगा। इस वर्ष लग्नेश बुध लग्न एवं चतुर्थ भाव के स्वामी होकर बुध भाग्य भाव में मित्र शनि की राशि कुंभ में शुभ स्थिति में चलेंगे। गुरु सप्तम भाव एवं दशम भाव के स्वामी होकर सप्तम भाव में स्वयं राशि में धनु में विराजमान होने से शुभाशुभफल प्रद स्थिति में चलेंगे। शुक्र पंचम एवं व्यय भाव के स्वामी होकर लाभ भाव में शत्रु मंगल की राशि मेष में कुछ शुभफलप्रद स्थिति में चलेंगे। शनि अष्टम एवं भाग्य भाव के स्वामी होकर अष्टम भाव में अपनी ही राशि में मंगल के साथ युति कुछ अमंगल स्थिति में चलेंगे। मंगल षष्ठ एवं लाभ भाव के स्वामी होकर अष्टम भाव में शत्रु शनि की राशि में अपने उच्च स्थिति में शुभाशुभ स्थिति में चलेंगे। सूर्य तृतीय भाव के स्वामी होकर मित्र गुरु की राशि मीन में दशम भाव में कुछ शुभफलप्रद स्थिति में चलेंगे। चन्द्रमा धन भाव के स्वामी होकर लग्न में बुध की राशि मिथुन में राहुल के साथ ग्रहण योग बना रहे हैं। जो शुभफलप्रद नहीं है। फलतः इस वर्ष स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रह सकता

ऐसा होगा नए साल का पहला माह

मेष

यह माह हर्षोल्लास के साथ व्यतीत होगा, पैतृक सम्पत्ति सम्बन्धित मामले पक्ष में होंगे, ऋण से मुक्ति मिलेगी, आकस्मिक धन लाभ के योग हैं।

वृषभ

माह का पूर्वार्द्ध सामान्य और उत्तरार्द्ध हर्षित करने वाला रहेगा। कार्य क्षेत्र में नयी कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। साझेदारी फलदायी होगी।

मिथुन

विवेक शक्ति की कमी के कारण किसी भी मसले पर शीघ्र निर्णय पर नहीं पहुंच पाना घातक सिद्ध हो सकता है। राज्य एवं शासकीय विभागों से मान-प्रतिष्ठा, शत्रु परास्त होंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि।

कर्क

वाकपटुता से अपना काम निकलवाने में सफल रहेंगे। दूर की यात्राओं के योग बनेंगे और व्यय बढ़ेगा। भाई-भतीजों से मतभेद उभर सकते हैं।

सिंह

माह का पूर्वार्द्ध सुकून भरा रहेगा। स्थाई सम्पत्ति में वृद्धि, सामाजिक स्तर पर मान-सम्मान मिलेगा। आय पक्ष बाधित किन्तु स्वास्थ्य श्रेष्ठ रहेगा।

कन्या

भौतिक सुखों में वृद्धि और कार्य क्षेत्र में परिवर्तन के योग, शत्रु एवं रोग प्रभावित कर सकते हैं। राजकीय सेवा के जातकों को सावधान रहना होगा। दाम्पत्य जीवन मधुर।

है। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता। कॉमोडिटी ट्रेडिंग या शेयर बाजार के कारोबारी हैं तो विवेकपूर्ण निवेश से अल्पलाभ प्राप्त कर सकते हैं। जोखिमपूर्ण निवेश से बचना चाहिये। कला प्रेमी, खिलाड़ी, अभिनेता व राजनेताओं के लिए वर्ष सामान्य सफलतादायक रहेगा। इष्ट मित्रों एवं शुभचिंतकों से व्यर्थ वाद-विवाद से मानसिक कष्ट हो सकता है। भूमि, भवन व वाहन क्रय-विक्रय में सावधानी अपेक्षित है। कानूनी विवाद अथवा रोगोपचार में धन व्यय हो सकता है। वर्ष के उत्तरार्द्ध में रुके हुए काम पूरे होंगे। स्वास्थ्य में सुधार, ऋण से मुक्ति तथा विरोधियों से छुटकारा मिल सकता है। सफलता के नये मार्ग खुलेंगे। अचानक दूरस्थ यात्रा भी हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य से ख्याति हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण पद प्राप्ति का योग भी बनता है। दैनिक जीवन की बाधा निवारणार्थ रोग निवारण यंत्र, सम्पूर्ण अष्टलक्ष्मी यंत्र तथा शत्रु बाधा हेतु सम्पूर्ण शत्रु नाशक यंत्र स्थापित कर नित्य धूप दीप कर सम्बन्धित मंत्र का जाप 108 बार करें। गाय को चारा एवं मछलियों को आटे की गोलियां खिलाना भी श्रेयस्कर रहेगा।

कर्क

इस वर्ष आपकी राशि में सातवें भाव में शनिदेव ताम्रपद से शुभ हैं। जबकि राहु लौहपद से दुखदायी हैं। धनलाभ, मुकदमे में विजय, वैवाहिक योग, शरीर में रोग से मुक्ति, व्यापार एवं परिवार में वृद्धि। वर्षान्त में चोटादि का योग है। शनि पूजा व राहु की शान्ति का जाप करायें। इस वर्ष लग्नेश चन्द्रमा अपनी स्वयं राशि में लग्न में शुभफलप्रद स्थिति में चलेंगे। मंगल पंचम एवं दशम भाव के स्वामी होकर सप्तम भाव में अपनी उच्च राशि मकर में शनि के साथ युति कर शुभाशुभ फलप्रद स्थिति में चलेंगे। बुध तृतीय एवं व्यय भाव के स्वामी होकर अष्टम भाव में मित्र राशि कुंभ में कुछ अशुभफल प्रद स्थिति में चलेंगे। गुरु षष्ठ एवं भाग्य भाव के स्वामी होकर षष्ठ भाव में स्वयं राशि धनु में केतु के साथ चाण्डाल योग बना रहा है। जो शुभाशुभफल कारक स्थिति में चलेंगे। शुक्र चतुर्थ एवं लाभभाव के स्वामी होकर दशम भाव में शत्रु मंगल की राशि मेष में कुछ शुभ कारक स्थिति में चलेंगे। शनि सप्तम एवं अष्टम भाव के स्वामी होकर सप्तम भाव में स्वयं राशि मकर में मंगल के साथ युति होने से शुभाशुभ स्थिति में चलेंगे। राहु केतु षष्ठ एवं व्यय भाव में धुन एवं मिथुन राशि में ग्रहण योग बना रहे हैं। जो शुभाशुभफल कारक स्थिति में चलेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष ठीक नहीं है। अविवाहितों के विवाह का योग है। दाम्पत्य जीवन में मधुरता का अभाव रह सकता है। जोखिम पूर्ण निवेश अल्प लाभकारी ही हो सकता है। दूरस्थ यात्रा के योग हैं। कोर्ट-कचहरी के मामले में लापरवाही न बरतें अन्यथा दण्डित भी हो सकते हैं। मंगल केतु की युति अमंगलकारी स्थिति में है। अतः कानूनविदों से विचार-विमर्श कर ही कदम उठायें। परीक्षा में इस वर्ष सामान्य सफलता की अपेक्षा की जा सकती है। घर-परिवार में अचानक मंगलकृत उत्सव संभावित है। कार्य व्यवसाय में बुद्धि-चातुर्य से लाभ होगा। जून से सितम्बर तक अचानक परिवारजनों से कुछ मनमुटाव की स्थिति बन सकती है। पत्नी एवं माता को शारीरिक कष्ट हो सकता है। अक्टूबर से वर्षांत तक विपरीत परिस्थितियों में धीरे-धीरे राहत मिलने लगेगी। विशेष आर्थिक उपाय हेतु सम्पूर्ण व्यापार वृद्धि यंत्र तथा स्वास्थ्य हेतु रोग निवारण यंत्र स्थापित कर नित्य धूप दीप कर मंत्रों का जाप करें।

सिंह

इस वर्ष छठे भाव से शनिदेव स्वर्णपाद से व राहु ताम्रपाद से आपकी राशि में भ्रमण कर रहे हैं। यह वर्ष आपके लिए अधिक श्रम व संघर्ष का रहेगा। संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी, वहीं राहु आपको व्यापार में लाभ का मार्ग प्रशस्त करेंगे। मुकदमे में मिश्रित फल मिलेगा। शत्रुपक्ष परेशानी में डाल देगा। इस वर्ष में आपकी राशि के स्वामी सूर्य लग्न के स्वामी होकर अष्टम भाव में मित्र गुरु की राशि में शुभाशुभ फल कारक रहेंगे। चन्द्रमा व्यय भाव के स्वामी होकर अष्टम भाव में मित्र गुरु की राशि में शुभाशुभफल कारक रहेंगे। चन्द्रमा व्यय भाव के स्वामी होकर लग्न में मित्र सूर्य की राशि में शुभाशुभ फलकारक रहेंगे। मंगल चतुर्थ एवं नवम भाव के स्वामी होकर अपनी उच्च राशि मकर में षष्ठ भाव में शुभफल कारक रहेंगे। बुध धन भाव एवं लाभ भाव के स्वामी होकर सप्तम भाव में मित्र शनि की राशि कुंभ में शुभफल कारक रहेंगे। गुरु पंचम एवं अष्टम भाव के स्वामी होकर पंचम भाव में ही अपने स्वयं राशि में केतु के साथ चाण्डाल योग बना रहे हैं। जो शुभाशुभ मिश्रित फलकारक रहेंगे। शुक्र तृतीय एवं दशम भाव के स्वामी होकर भाग्य भाव में शत्रु मंगल की राशि मेष में कुछ शुभफलकारक रहेंगे। शनि षष्ठ एवं सप्तम भाव के स्वामी होकर अपनी स्वयं राशि मकर में मंगल के साथ युति शुभाशुभ फलकारक रहेंगे। केतु धनु में तथा राहु मिथुन राशि में कुछ शुभफल कारक रहेंगे। फलतः इस वर्ष ग्रह स्थिति के अनुसार स्वास्थ्य कमजोर रहा सकता है। व्यवसाय में सामान्य लाभ की अपेक्षा की जा सकती है। वैवाहिक जीवन में समरसता विवेक पर निर्भर होगी। यदि आप कमोडिटी ट्रेडिंग या शेयर बाजार के कारोबारी है तो विवेकपूर्ण निवेश से अल्पलाभ प्राप्त कर सकते है। दैनिक कारोबार की अपेक्षा दीर्घकालिक निवेश आपके लिए कुछ लाभकारी हो सकता है। अनावश्यक क्रोध से बचें अन्यथा स्वयं ही अपना नुकसान कर लेंगे। अपने आवश्यक कार्य पूरे करने में विशेष ध्यान देवें। आय के साधन सामान्य रहेंगे। व्यापार या नौकरी सुचारू रूप से

तुला

सामान्यत: यह माह अच्छे परिणाम देने वाला होगा, रचनात्मक कार्यों एवं भौतिक सुख में वृद्धि होगी। कार्य एवं व्यवसाय में नवीनता आयेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

वृश्चिक

सकारात्मक ऊर्जा से लबरेज रहेंगे, चाहे जिस कार्य में हाथ डालें सफल रहेंगे, परन्तु अति आत्मविश्वास घातक सिद्ध हो सकता है। अपनों से बड़े व अनुभवी लोगों के सान्निध्य में रह कर समय का फायदा उठाएं, कर्म क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

धनु

9 जनवरी पश्चात् आत्मबल में वृद्धि, अटके काम बनेंगे, आय पक्ष अच्छा, खर्चों में कमी आयेगी व मानसिक सुख की प्राप्ति होगी। दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट का अनुभव करेंगे।

मकर

माह के उत्तरार्द्ध में राशि स्वामी का स्व स्थान में आना उन्नति कारक है, लम्बित कार्यों में सफलता, आय एवं भौतिक सुख में वृद्धि व सन्तान से खुशी मिलेगी। आकस्मिक लाभ, परन्तु अचानक उभरे रोग से परेशानी हो सकती है।

कुंभ

यह माह व्ययकारक सिद्ध हो सकता है, जहां-जहां से अपेक्षा रहेगी, वहां-वहां से निराशा मिलेगी। कर्म क्षेत्र में प्रभुत्व बनाये रखेंगे। मान-प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकती है।

मीन

राशि स्वामी का स्व राशि में उदित होना मनोत्साह बढ़ायेगा, नई ऊर्जा और कर्म सिद्धि का अनुभव करेंगे, भाग्य भी पूर्ण रूप से सहयोग करेगा। दाम्पत्य जीवन सामान्य एवं स्वास्थ्य पक्ष उत्तम रहेगा।

चलेगी। अधूरे कार्य पूरे हो सकते हैं। अचानक दूरदराज की यात्रा हो सकती है। दैनिक कार्यों में कुछ रूकावटें आ सकती हैं। किसी शुभ चिंतक की सहायता से कोई महत्वपूर्ण कार्य का सम्पादन भी हो सकता है। कला प्रेमी, अभिनेता राजनेता या खिलाड़ियों के लिए हेतु वर्ष सफलतादायक रहेगा। भूमि, भवन, वाहन आदि से सम्बन्धित क्रय-विक्रय में बुद्धि-चातुर्य से सफलता मिल सकती है। नौकरी में अचानक कुछ गतिरोध या प्रतिकूल स्थानान्तरण से कुछ परेशानी हो सकती है। किसी भी क्षेत्र में विश्वासघात हो सकता है। सावधान रहें। उपाय हेतु शत्रुनाशक यंत्र स्थापित कर नित्य धूप दीप करें।

कन्या

इस वर्ष राशि से पांचवें भाव में शनिदेव रजतपाद से भ्रमण कर रहे हैं जिससे आपको सफलता व लाभ की प्राप्ति होगी। प्रभावशाली व्यक्ति से मेलजोल बढ़ेगा व कार्यों में सफलता मिलेगी, वहीं राहुल स्वर्णपाद से आपको संघर्ष की स्थिति में ला खड़ाकर आपको कष्ट में डाल सकते हैं। कार्य में सफलता हेतु अधिक संघर्ष करना पड़ेगा। परेशानी में वृद्धि। नूतन वर्ष लग्न कुंडली में लग्नेश बुध लग्न और दशम भाव के स्वामी होकर षष्ठ भाव में मित्र शनि की राशि कुंभ में बुध शुभाशुभ फलकारक स्थिति में हैं। गुरु सुख भाव एवं सप्तम भाव के स्वामी होकर सुख भाव में स्वयं राशि धनु में केतु के साथ विराजमान हैं। जो शुभफल कारक रहेंगे। शुक्र द्वितीय एवं नवम भाव के स्वामी होकर अष्टम भाव में शत्रु मंगल की राशि मेष में कुछ अशुभफल प्रद स्थिति में चलेंगे। शनि पंचम एवं षष्ठ भाव के स्वामी होकर पंचम भाव में अपनी राशि मकर में शत्रु मंगल के साथ युति शुभाफल कारक है। राहु मिथुन में दशम भाव में तथा केतु चतुर्थ भाव में धनु राशि में कुछ शुभफल कारक रहेंगे। मंगल तृतीय एवं अष्टम भाव के स्वामी होकर पंचम भाव में शत्रु शनि के साथ युति शुभाशुभ फलकारक रहेंगे। चन्द्रमा लाभ भाव के स्वामी होकर शत्रु बुध की राशि कन्या में शुभाशुभ फलकारक रहेंगे। सूर्य व्यय भाव के स्वामी होकर मित्र गुरु की राशि मीन में सप्तम भाव में शुभाशुभफल कारक रहेंगे। फलतः वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टि से कुछ बाधा युक्त रहेगा। अनर्गल वाद-विवाद या पारिवारिक अशान्ति से आप तनावग्रस्त रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार और कार्य व्यवसाय में आशानुरूप सफलता मिलेगी। उद्योग-व्यापार विस्तार की योजना क्रियान्वित करें। भविष्य में लाभ सम्भावित है। यदि आप शेयर बाजार या अन्य ट्रेडिंग निवेश है तो सावधानी से निवेश करें। वैवाहिक जीवन में वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। अविवाहितों को कात्यायनी देवी के मंत्रों का पाठ कराना श्रेयस्कर रहेगा। नहीं चाहते हुए भी नये उत्तरदायित्व का निर्वाह करने से मानसिक परेशानी बढ़ेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। व्यवसायिक क्षेत्र में आलस्य प्रमाद से बचें। संतान के अकार्य से धन-मान हानि हो सकती है।

तुला

आपकी राशि के चौथे भाव से शनिदेव का भ्रमण लौहपाद व लघुकल्याणी योग के साथ हो रहा है। जो दुख व कलहकारी है। आपको अड़चनों व समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। राहुदेव रजतपाद से आपको धन-यश-लाभ व कार्यों में सफलता का मार्ग प्रशस्त करेंगे। लग्नेश शुक्र लग्न एवं अष्टम भाव के स्वामी होकर सप्तम भाव में शत्रु मंगल की राशि मेष में होने से शुक्र शुभफल कारक रहेंगे। शनि चतुर्थ एवं पंचम भाव के स्वामी होकर चतुर्थ भाव में स्वयं राशि मकर में मंगल के साथ युति शुभफल कारक रहेंगे। राहु केतु क्रमशः भाग्य भाव में मिथुन राशि में तथा तृतीय भाव में धनु राशि में केतु शुभाशुभ फलकारक रहेंगे। गुरु तृतीय एवं षष्ठ भाव के स्वामी होकर तृतीय भाव में स्वयं राशि धनु में केतु के साथ चांडाल योग बनाने से कुछ अशुभफल कारक रहेंगे। बुध नवम भाव एवं व्यय भाव के स्वामी होकर इस वर्ष कुण्डली में मित्र शनि की राशि कुंभ होने से शुभाशुभ फलकारक रहेंगे। मंगल द्वितीय एवं सप्तम भाव के स्वामी होकर चतुर्थ भाव में अपनी उच्च राशि मकर में शुभफल प्रद स्थिति में रहेंगे। चन्द्रमा पराक्रम भाव के स्वामी होकर लग्न में शत्रु शुक्र की राशि तुला में शुभाशुभ फलकारक रहेंगे। सूर्य लाभ भाव के स्वामी होकर षष्ठ भाव में मित्र गुरु की राशि मीन में विराजमान है जो कुछ शुभफल कारक है। इस वर्ष लग्न कुण्डली में इस शुभाशुभ ग्रह स्थितियां बनने से स्वास्थ्य की दृष्टि से सामान्य शुभफलदायक रहेगा। इस वर्ष कार्य व्यवसाय में गतिरोधपूर्ण सफलता के योग बनते है। स्थान परिवर्तन या व्यापार परिवर्तन, कार्य व्यवसाय में विस्तार की योजना कुछ अहितकर हो सकती है। शिक्षा, परीक्षा, प्रतियोगिता में सफलता के योग बनेंगे। प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी संबंधित मंत्रियों से परेशानी अनुभव करेंगे। वाणी की उग्रता शुभचिंतकों से भी वैर विरोध बढ़ा सकती है। अत्यधिक प्रयास से कार्य में किसी तरह सफलता मिलेगी। थोड़ी असावधानी से लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते हैं। शान्ति एवं अनुकूलता के लिए शिवपंचाक्षर स्रोत एवं दारिद्र दहन शिव स्रोत का पाठ करें।

वृश्चिक

आपकी राशि में शनिदेव का भ्रमण ताम्रपाद से हो रहा है, जिससे लक्ष्मी प्राप्ति का योग बन रहा है। सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्ति, उद्योग-धंधे में उत्तम लाभ, रुके धन की प्राप्ति होगी वहीं राहु लौहपाद से भ्रमण कर परेशानी, व्यर्थ के विवाद व झगड़े पैदा कर देंगे। राहु शान्ति का अनुष्ठान करायें, लाभ मिलेगा। इस वर्ष लग्नेश मंगल षष्ठ भाव के स्वामी होकर मंगल तृतीय भाव में अपनी उच्च राशि मकर में शनि के साथ युति कुछ शुभफल प्रद स्थिति में चलेंगे। बुध अष्टम भाव एवं लाभ भाव के स्वामी होकर सुखभाव में मित्र शनि की राशि कुंभ में कुछ शुभफल प्रद स्थिति में चलेंगे। गुरु धन भाव एवं पंचम भाव के स्वामी होकर अपनी स्व राशि धनु में केतु के साथ युति कुछ शुभफलप्रद स्थिति में चलेंगे। शुक्र सप्तम भाव एवं व्यय भाव के स्वामी होकर षष्ठ भाव में शत्रु मंगल की राशि में मेष में कुछ अशुभफलप्रद स्थिति में चलेंगे। शनि तृतीय एवं चतुर्थ भाव के स्वामी होकर अपनी राशि मकर में मंगल के साथ युति शुभाशुभफलकारक रहेंगे। केतु धन भाव में तथा राहुल अष्टम भाव में शुभाशुभ फलकारक रहेंगे। चन्द्रमा भाग्य भाव के स्वामी होकर लग्न में अपनी नीच राशि वृश्चिक में कुछ अशुभ फलप्रद स्थिति में चलेंगे। सूर्य पराक्रमी भाव के स्वामी होकर पंचम भाव में मित्र गुरु की राशि मीन में कुछ शुभफल प्रद स्थिति में चलेंगे। शुक्र राहु, केतु अरिष्ट कारक स्थिति में शेष ग्रह शुभ एवं मंगलकारी रहेंगे। फलतः इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य बनी रहेगी। कार्य व्यवसाय में गतिरोधपूर्ण सफलता मिलती रहेगी। इस वर्ष दुर्लभ कार्य पूरे होंगे। आर्थिक साधन अच्छे होंगे। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सरकारी एवं अर्द्धसरकारी कर्मचारियों हेतु वर्ष अनुकूल रहेगा। किसी नवीन कार्य की पूर्ण योजना बनाकर क्रियान्विति से सफलता मिलेगी। समय-समय पर व्यवसायिक यात्रा में सफलता भी प्राप्त होगी। पत्नी अथवा पुत्र के नाम से निवेश से अधिकतर सौदे लाभकारी हो सकते हैं। भाई-परिवार से मतभेद की स्थिति बन सकती हैं। विद्यार्थी, प्रतियोगियों हेतु आंशिक सफलता के योग बनते है। सन्तानहीन दम्पत्ति को इस वर्ष खुशखबर मिल सकती है। अशुभ ग्रहों की शान्ति एवं अनुकूलता हेतु नवग्रह यंत्र की पूजा करना श्रेयस्कर रहेगा।

धनु

शनि देव का भ्रमण रजत पाद से व पैरों पर साढ़ेसाती से हो रहा है। जो आपको लाभ व कार्यों में सफलता दिलायेगा। सामाजिक क्षेत्र में पदोन्नति व व्यापार में लाभ मिलेगा। राहुदेव भी ताम्रपाद से भ्रमण कर आपको धन प्राप्ति में सहायक होंगे। इस वर्ष कुण्डली के अनुसार लग्नेश गुरु लग्न एवं चतुर्थ भाव के स्वामी होकर लग्न में स्वग्रही धनु राशि में गुरु चन्द्रमा केतु के साथ प्रतियुति होने से कुछ बाधायुक्त शुभफल कारक स्थिति में चलेंगे। शुक्र षष्ठ एवं लाभ भाव के स्वामी होकर शत्रु मंगल की राशि मेष में पंचम भाव में शुभाशुभ फल कारक स्थिति में चलेंगे। शनि धन भाव एवं तृतीय भाव के स्वामी होकर स्वग्रही धन भाव में मंगल के साथ युति कुछ शुभफल कारक चलेंगे। राहु केतु लग्न एवं

सप्तम भाव में कुछ शुभफल कारक चलेंगे। बुध सप्तम भाव एवं दशम भाव के स्वामी होकर तृतीय भाव में मित्र शनि की राशि कुंभ में शुभाशुभ स्थिति में चलेंगे। मंगल पंचम एवं व्यय भाव के स्वामी होकर धन भाव में अपनी उच्च राशि मकर में प्रवेश कर शनि के साथ युति होने से यह भी शुभाशुभफल कारक रहेंगे। चन्द्रमा अष्टम भाव भाव के स्वामी होकर लग्न में गुरु केतु के साथ चाण्डाल योग बनने से शुभाशुभ फलकारक रहेंगे। फलतः वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टि से ठीक है। कार्य-व्यवसाय में कुछ गतिरोधपूर्ण सफलता एवं यश मिलता रहेगा। महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति संभावित है। लेखक, सम्पादक, प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया, खिलाड़ी, संगीतकार, वादक, चित्रकार, राजनेता, अभिनेता हेतु यह वर्ष विशेष सफलता प्रदायक है। साथ ही राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्ति के योग भी बनते हैं। सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारी के स्थानान्तरण या पदोन्नति के विशेष [illegible]

राशि के प्रथम में शनिदेव स्वर्णपाद से भ्रमण परेशानी व संघर्ष की स्थिति पैदा करेंगे। बने-बनाये कार्यों में बाधा उत्पन्न होगी। जबकि राहुदेव रजतपाद से भ्रमण कर परेशानियों में कुछ हद तक राहत देंगे। ग्रहीय गणना अनुसार लग्नेश शनि लग्न एवं धन भाव के स्वामी होकर लग्न में अपनी स्वराशि में मंगल चन्द्रमा के साथ प्रतियुति करते हुए कुछ शुभफल कारक रहेंगे। राहुल षष्ठ भाव में तथा केतु व्यय भाव में मिथुन और धनु राशि में विचरण करेंगे जो शुभ नहीं है। शुक्र पंचम एवं दशम भाव के स्वामी होकर सुख भाव में शत्रु मंगल की राशि मेष में विराजमान हैं। जो कुछ शुभफलकारक रहेंगे। गुरु तृतीय एवं व्यय भव के स्वामी होकर व्यय भाव में स्वराशि में केतु के साथ युति चण्डाल योग बनने से शुभाशुभफल कारक रहेंगे। बुध षष्ठ भाव एवं भाग्य भाव के स्वामी होकर धन भाव में कुंभ राशि में विराजमान है। जो शुभाशुभफल कारक रहेंगे। मंगल चतुर्थ भाव एवं लाभ भाव के स्वामी होकर लग्न में अपनी उच्च राशि में शनि-चन्द्रमा के साथ प्रतियुति कुछ शुभ फल कारक रहेंगे। चन्द्रमा सप्तम भाव के स्वामी होकर लग्न में शत्रु मंगल की राशि मकर में शनि मंगल के साथ प्रतियुति शुभाशुभफल कारक रहेंगे। सूर्य अष्टम भाव के स्वामी होकर तृतीय भाव में मित्र गुरु की राशि मीन में कुछ अशुभफल कारक स्थिति में चलेंगे। फलतः इस वर्ष स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति अस्थिर रहेगी। व्यवसाय भी साधारण रहेगा। बेवजह अपव्यय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। जिससे मानसिक परेशानी होगी। व्यर्थ के वाद-विवाद और कलह से पारिवारिक अशांति रहेगी। विद्यार्थी वर्ग एवं प्रतियोगियों के लिए सफलता के योग हैं।

कुम्भ

राशि से बारहवें भाव में शनिदेव का भ्रमण लौहपाद तथा सिर पर साढ़ेसाती से हो रहा है जिसके कारण दुखी रहेंगे। स्वास्थ्य में गिरावट, मन में नकारात्मक विचवार आऐंगे। राहु स्वर्णपाद से प्रवेश कर रहे हैं। जिससे संघर्ष व कारोबार में व्यवधान होगा। इस वर्ष लग्नेश बुध पंचम एवं अष्टम भाव के स्वामी होकर लग्न में मित्र शनि की राशि कुंभ में चन्द्रमा के साथ युति कुछ शुभ फलप्रद रहेंगे। गुरु धन भाव एवं लाभ भाव के स्वामी होकर लाभ भाव में स्वराशि धनु में गुरु केतु के साथ युति शुभफल कारक रहेंगे। शुक्र सुख भाव एवं भाग्य भाव के स्वामी होकर तृतीय भाव मंगल की राशि मेष में शुभाशुभ फलकारक स्थिति में चलेंगे। शनि लग्न एवं व्यय भाव के स्वामी होकर व्यय भाव में शनि मंगल के साथ युति कुछ अमंगल स्थिति में चलेंगे। पंचम भाव में राहुल मिथुन में तथा केतु लाभ भाव में धनु राशि में शुभाशुभ स्थिति में चलेंगे। मंगल तृतीय एवं दशम भाव के स्वामी होकर व्यय भाव में अपनी उच्च राशि मकर में शनि के साथ युति कुछ अमंगल स्थिति में चलेंगे। चन्द्रमा षष्ठ भाव के स्वामी होकर लग्न में बुध के साथ युति कुंभ राशि में शुभाशुभ स्थिति में चलेंगे। सूर्य सप्तम भाव के स्वामी होकर धन भाव में कुछ शुभ स्थिति में चलेंगे। फलतः यह वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टि से सामान्य रहेगा। कार्य व्यवसाय की दृष्टि में सफलता के आसार अनुकूल रह सकते हैं। मंगल-शनि युति से माता-पिता या जीवन साथी के उपचार में व्यय हो सकता है। परिवार में अचानक मंगलकृत कार्य संपादन में भी आवश्यकता से अधिक धन अपव्यय हो सकता है। जिससे मानसिक परेशानी अनुभव हो सकती है। विद्यार्थी एवं शोधार्थियों के लिए वर्ष अनुकूल व उत्तम रहेगा। अतः समय को व्यर्थ ना गवाएं। सट्टे-लॉटरी या अन्य ट्रेडिंग से धन प्राप्ति की इच्छा से दूर रहने में ही आपका हित है। अविवाहितों को विवाह के अनुकूल सम्बन्ध मिलेंगे। नौकरी में पदोन्नति तथा अनुकूल स्थानान्तरण की सुविधा प्राप्त हो सकती है। लेन-देन में सावधानी बरतें। दूर-दराज की यात्रा हो सकती है। अनर्गल वाद-विवाद से दूर रहें एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मीन

राशि में ग्यारहवें भाव में शनिदेव का भ्रमण स्वर्ण पाद से होगा जो संघर्षकारी होगा। वही राहु का लौहपाद से भ्रमण दुख व कलहकारी होगा। इस वर्ष गुरु लग्न एवं अपनी राशि धनु में दशम भाव में केतु के साथ युति अत्यंत शुभ फलकारक स्थिति में चलेंगे। शुक्र तृतीय भाव एवं अष्टम भाव के स्वामी होकर धन भाव में शत्रु मंगल की राशि मेष में विराजमान रहेंगे। जो शुभफलप्रद नहीं है। शनि लाभ भाव एवं व्यय भाव के स्वामी होकर लाभ भाव में अपनी राशि मकर में मंगल के साथ युति शुभफलप्रद स्थिति में रहेंगे। राहु मिथुन में चतुर्थ भाव में केतु व धनु में दशम भाव में कुछ शुभफल रहेंगे। बुध चतुर्थ भाव एवं सप्तम भाव के स्वामी होकर व्यय भाव में मित्र शनि की राशि कुंभ में शुभाशुभ रहेंगे। मंगल धन भाव एवं भाग्य भाव के स्वामी होकर लाभ भाव में अपनी उच्च राशि में चलने से शुभफल कारक रहेंगे। चन्द्रमा पंचम भाव का स्वामी होकर लग्न में अपने मित्र सूर्य के साथ मीन राशि में कुछ शुभ फलप्रद रहेंगे। सूर्य षष्ठ भाव के स्वामी होकर लग्न में मित्र गुरु की राशि मीन में चन्द्रमा के साथ युति कुछ शुभ फलप्रद स्थिति में चलेंगे। यह वर्ष सामान्य आरोग्य कारक रहेगा। आर्थिक स्थिति उत्साहवर्धक रहेगी। अचानक व्यापार विस्तार की योजना भी फलीभूत हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को संबंधित अधिकारियों की अनुकूलता से लाभ प्राप्त होगा। भौतिक सुख प्राप्ति हेतु धन व्यय होगा। समय की उपयोगिता को पहचान कर महत्व के सभी कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करें। व्यय भाव में बुध कुछ अमंगल स्थिति में चलने से किसी दूसरे के वाद-विवाद में पड़ने की चेष्टा ना करें, अन्यथा परेशानियां आ सकती हैं। वैवाहिक जीवन में मधुरता व समरसता रहेगी। अविवाहितों के विवाह प्रयासों में गतिरोध उत्पन्न होंगे। सूर्य चन्द्रमा की दृष्टि सप्तम भाव में क्रूर दृष्टिपात होने से जीवन साथी के स्वास्थ्य में गिरावट हो सकती है। संतान पक्ष से कुछ सुखद समाचार मिल सकता है। सन्तानहीन दम्पत्तियों को संतान प्राप्ति हो सकती है। वर्ष के उत्तरार्द्ध में भूमि, भवन, वाहन आदि का क्रय भी हो सकता है।

'प्रत्यूष'

आपकी अपनी पारिवारिक पत्रिका है। इसे अपने परिवार में अवश्य सम्मिलित कीजिए। पत्रिका आपको कैसी लगी? कृपया अपने विचार हमें अवश्य भिजावें।

पारस-जेके हॉस्पिटल का शुभारम्भ

उदयपुर। शोभागपुरा स्थित पारस जे. के. हॉस्पिटल का पिछले दिनों पारस हेल्थकेयर ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. धर्मिन्दर नागर ने किया। यह हॉस्पिटल 200 बेड का और सभी अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों व सुविधाओं से युक्त है। डॉ. कपिल गर्ग ने बताया कि वर्तमान में ग्रुप के गुरुग्राम, पटना, दरभंगा, पंचकुला, रांची और उदयपुर सहित कुल आठ हॉस्पिटल हैं।

ग्रुप सीईओ डॉ. शंकर नारंग ने बताया कि इस हॉस्पिटल में एक उन्नत कैथ लैब, एमआरआई, सीटी, मॉड्यूलर ओटी, डायलिसिस और 60 आईसीयू बेड की सुविधाएं है। यह एक मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल है, जिसमें इन्टरनल मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, कार्डियक सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, यूरोलॉजी और न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी आदि आधुनिक चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध हैं। हॉस्पिटल के डायरेक्टर विश्वजीत ने बताया कि अस्पताल में आधुनिक क्रिटिकल केयर और आपातकालीन विभाग आदि में सभी प्रकार के उच्चतम उपचार की सुविधाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी

भाषा मनुष्य को मनुष्य को जोड़ने का सेतु

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ के संघटक माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ रिहेबिलिटेशन साइंसेज तथा भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का समापन 13 दिसम्बर को हुआ। मुख्य अतिथि जयनारायण व्यास विवि जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो. लोकेश शेखावत थे। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एस एस सारंगदेवोत ने कहा कि शिक्षकों को भाषा शिक्षण की तकनीक तथा उसके उपागमों को बेहद आसान बनाते हुए तथा इसके नये स्वरूपों की तलाश करनी चाहिए जो दिव्यांग बच्चों को समझने में सहायक हो। समन्वयक डॉ. सत्यभूषण नागर, डिप्टी रजिस्ट्रार रियाज हुसैन, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. दिलीप सिंह चौहान ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन भावना राणा ने किया।

श्रीसीमेंट 'श्रेष्ठता प्रमाण पत्र' से सम्मानित

ब्यावर। राजस्थान नियोक्ता संघ ने गत दिनों 55वां स्थापना दिवस जयपुर के होटल क्लार्क आमेर, में मनाया। जिसमें राज्य के उद्योगों को 'सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता 2018' अवार्ड भी प्रदान किये गये। समारोह के मुख्य अतिथि राज्य के उद्योग मंत्री परसादीलाल मीणा थे।

देश के अग्रणी सीमेंट उद्योग श्रीसीमेंट लि.(ब्यावर) को भारी उद्योगों की श्रेणी में 'श्रेष्ठता प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया। जिसे दिनेश कुमार-उपमहाप्रबंधक(कार्मिक एवं प्रशासन) एवं देवेन्द्र कुमार शर्मा-सहायक महाप्रबंधक(कार्मिक एवं प्रशासन) ने मुख्य अतिथि से प्राप्त किया। इस अवसर पर राजस्थान नियोक्ता संघ के अध्यक्ष एन. के. जैन, संघ के पदाधिकारी एवं राज्य के विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मेवाड़ जुड़े प्लास्टिक हटाओ अभियान से

उदयपुर। राजस्थान पत्रिका के 'एक ही संकल्प हमारा, प्लास्टिक हटाना लक्ष्य हमारा' अभियान से महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ भी जुड़ गए हैं। उन्होंने प्लास्टिक फ्री उदयपुर पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन शुरू से ही प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का समर्थक रहा है। इस अवसर पर पत्रिका उपमहाप्रबंधक अरूण शाह, संपादकीय प्रभारी संदीप पुरोहित, ब्रांच मैनेजर प्रिंस प्रजापत भी उपस्थित थे।

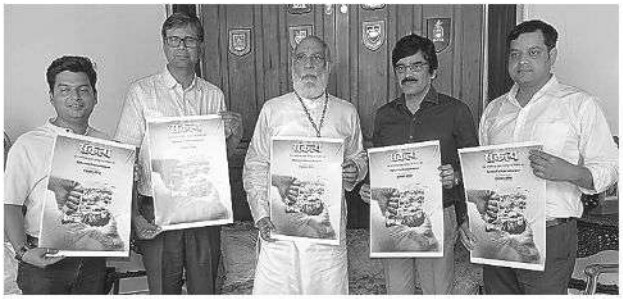

गुरुनानक पब्लिक स्कूल स्थापना दिवस

शबद, कीर्तन व अखंडपाठ

उदयपुर। गुरुनानक पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 का त्रिदिवसीय स्वर्ण जयन्ती समारोह गुरुनानक देवजी के 550वें प्रकाश-पर्व के साथ अत्यन्त उत्साह, शबद-कीर्तन और अखण्ड पाठ के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धीरज छाजेड़, मो. युनूस, अरविन्द शर्मा, मृदुला सेंगर, तरुण पारख, ममता चौबीसा, लीना माहेश्वरी, कुलविन्दर कौर एवं उदयसिंह राणावत को स्कूल में दीर्घावधि व श्रेष्ठ सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। एनसीसी में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 51 छात्रा कैडेटों को भी पुरस्कृत किया गया। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए प्राचार्य नरपत सिंह राठौड़,

हिरणमगरी प्राचार्य विभा व्यास एवं शास्त्री सर्कल प्राचार्य फिरदौस खान को भी सम्मानित किया गया। सचिव करनैल सिंह गिल को विशिष्ट सेवा अलंकरण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में संस्था सचिव अमरपाल सिंह पाहवा, सहसचिव सतनाम सिंह, अध्यक्ष चिरंजीव सिंह ग्रेवाल, मोहिंदर पाल सिंह लिखारी, डी एस पाहवा, अजित सिंह पाहवा, पंडित लक्ष्मीनारायण, भगवान सिंह, नरेन्द्र सिंह पाहवा, अमरजीत सिंह चावला, दर्शन सिंह चावला आदि उपस्थित थे।

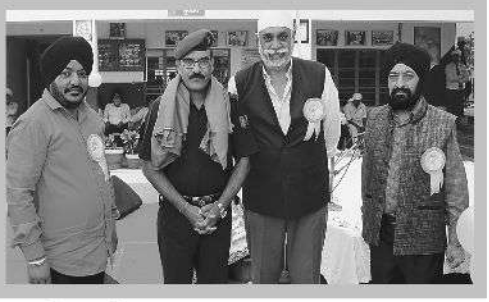

कामवन धाम का भूमि पूजन

उदयपुर। श्री वेणुनाद ऑर्गेनाइजेशन ट्रस्ट उदयपुर की ओर से अम्बेरी-देबारी नेशनल हाइवे 76 पर बनने जा रहे पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रभु मदन मोहन के भव्य कामवन धाम मंदिर हवेली का भूमि पूजन 24 नवम्बर को वैष्णवाचार्य गोस्वामी हरिराय बाबा और वैष्णवाचार्य गोस्वामी गोपाल लाल महाराज के सान्निध्य में मुख्य ट्रस्टी नारायण असावा, उपाध्यक्ष पंकज तोषनीवाल, कोषाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, मंत्री मनीष पारख, ट्रस्टी गिरिराज महाजन, दिनेश गौड़, दिलीप खण्डेलवाल आदि ने किया।

रिजेन मोटर्स का शुभारम्भ

उदयपुर। शहर के रॉयल मोटर्स कंपनी पंचवटी ने हीरो बाइक राइडर्स की सुविधा के लिए पिछले दिनों पुलां में नए शो-रूम रिजेन मोटर्स का शुभारम्भ किया। समारोह के मुख्य अतिथि शेख सैफुद्दीन बहरीनवाले थे।

इस अवसर पर रॉयल मोटर्स के संस्थापक शेख शब्बीर मुस्तफा ने बताया कि शहर के भुवाणा, पुलां, सुखेर, बेदला, बड़गांव, शोभागपुरा, 100 फीट रोड, चित्रकूट नगर व आसपास क्षेत्र के हीरो बाइक राइडर्स की सुविधा के लिए यह नया सेल्स व सर्विस शोरूम शुरू किया गया है। शो-रूम के मोहम्मदी दलाल, मुफद्दल दलाल व हुसैन रंगवाला ने अतिथियों का स्वागत किया। रिजेन मोटर्स के सेल्स प्रतिनिधि अमजद ने बताया कि शो-रूम से पसंदीदा बाइक व स्कूटर खरीद सकेंगे।

59 यूनिट रक्तदान

उदयपुर। दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन कॉपरेटिव बैंक के रजत जयंती वर्ष में समुत्कर्ष समिति के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में 59 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। बैंक अध्यक्ष विद्या किरण अग्रवाल ने बताया कि 66वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के अन्तर्गत बैंक ने सहकारिता में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया। मुख्य वक्ता जयदेव देवल थे। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत ने बताया कि रक्तदान शिविर की मुख्य अतिथि डॉ. किरण जैन एवं समुत्कर्ष समिति के अध्यक्ष संजय कोठारी थे।

मुकेश बने फोर्टी के संयोजक

उदयपुर। फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्रीज (फोर्टी) में मुकेश माधवानी को उदयपुर का संयोजक बनाया गया है। अध्यक्ष पलाश वैश्य ने बताया कि माधवानी सम्पादित कार्यों की समीक्षा करेंगे एवं नये सदस्यों को जोड़ेंगे।

जार की नई कार्यकारिणी

उदयपुर। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान(जार) के जिलाध्यक्ष डॉ. तुक्तक भानावत ने पिछले दिनों दो वर्षीय नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की घोषणा की। इसमें महासचिव अजय कुमार आचार्य, उपाध्यक्ष मांगीलाल जैन व भूपेन्द्र चौबीसा, कोषाध्यक्ष अल्पेश लोढ़ा, संगठन सचिव विकास बोकड़िया, प्रचार सचिव राजेन्द्र पालीवाल सहित कार्यकारिणी सदस्य भूपेश दाधीच, राजेन्द्र हिलोरिया, रामसिंह चदाणा, प्रकाश मेघवाल, अनिल कुमार जैन व जोधाराम देवासी को मनोनीत किया। संरक्षक सदस्य जगदीश विजयवर्गीय और पवन खाब्या होंगे। सलाहकार के रूप में वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी, शैलेश व्यास, सुमित गोयल, संजय खाब्या, प्रकाश शर्मा, सनत जोशी, पंकज कुमार शर्मा, डॉ. रवि शर्मा एवं विपिन गांधी को मनोनीत किया गया है।

बागौर की हवेली में पारदर्शी कलाकृतियों की प्रदर्शनी

उदयपुर। शहर के कलाकार हरिमोहन भट्ट(79) की पहली बार 351 हस्त सृजित पारदर्शी कलाकृतियों की प्रदर्शनी पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, बागौर की हवेली की कला दीर्घा में पिछले दिनों लगी। मुख्य अतिथि देवस्थान विभाग के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त दिनेश कोठारी ने दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में मंगलम् आर्ट्स के श्याम रावत भी थे।

खान सुरक्षा बैठक

उदयपुर। खान सुरक्षा निदेशालय, उदयपुर के तत्वावधान में पिछले दिनों खान सुरक्षा सम्बंधी त्रिपक्षीय सुरक्षा बैठक निदेशक पी. के. माहेश्वरी के सान्निध्य में सम्पन्न हुई। जिसमें जे. के. सीमेंट प्रबंधन की ओर से के. एन. खण्डेलवाल नोमिनेटेड ऑनर ऑफ माइन्स, एस. के. राठौड़ यूनिट हेड, महिम कच्छवाहा हेड खदान, सहायक उपाध्यक्ष माइन्स मनीष तोषनीवाल, निदेशक खान सुरक्षा(विद्युत) राजकुमार, उपनिदेशक खान सुरक्षा पी. के. जैन, नयन सिन्हा, सुनील बैबी, जे. के. सीमेंट श्रमिक संघ निम्बाहेड़ा व मांगरोल के अध्यक्ष नाहर सिंह देवड़ा, मुकेश योगी, प्रवीण सक्सेना, धर्मपुरी गोस्वामी व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

श्रीमाली व पंवार फिर बने जिलाध्यक्ष

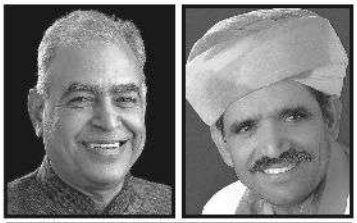

रवीन्द्र श्रीमाली भंवर सिंह पंवार

उदयपुर। भाजपा ने गत 17 दिसम्बर को जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। उदयपुर शहर जिलाध्यक्ष के लिए रवीन्द्र श्रीमाली व देहात जिलाध्यक्ष के लिए भंवर सिंह पंवार को फिर जिम्मेदारी दी है। भाजपा के प्रदेश चुनाव अधिकारी द्वारा जारी सूची में बांसवाड़ा में गोविन्द सिंह राव, चित्तौड़गढ़ में पूर्व विधायक गौतम दक, प्रतापगढ़ में गोपाल कुमावत व डूंगरपुर में प्रभु पंड्या को जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

विशिष्टजनों का सम्मान

उदयपुर। फील्ड क्लब में प्ले फॉर ए कॉज समारोह में विशिष्टजनों का सम्मान किया गया। सचिव यशवन्त आंचलिया ने बताया कि महेन्द्रपाल सिंह, सत्येन्द्रपाल सिंह छाबड़ा, डॉ. स्वीटी छाबड़ा, रतन जल मन्दिर के सुनील मेहता, अर्पित मेहता, दलपत सुराना का सम्मान किया गया।

देविका को डीजी कमेंडेशन

उदयपुर। बीएन गर्ल्स कॉलेज की 5 राज गर्ल्स बटालियन की सीनियर अंडर ऑफिसर देविका चूंडावत को जयपुर में एनसीसी दिवस पर डीजी कमेंडेशन प्रदान किया गया। एनसीसी अधिकारी डॉ. अनिता राठौड़ ने बताया कि देविका चूंडावत को यह सम्मान एनसीसी में उत्कृष्ट समारोह प्रदर्शन व शूटिंग में बेहतर प्रदर्शन के लिए दिया गया। एनसीसी महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विनोद चोपड़ा ने यह सम्मान दिया।

फुले की पुण्यतिथि मनाई

उदयपुर। ज्योतिबा फूले टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में महात्मा ज्योति बा फुले की 129वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा हुई। मुख्य अतिथि पीआर सालवी थे। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक दिनेश माली ने महात्मा ज्योति बा फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. अरविन्दर को राष्ट्रीय शूटिंग में रजत पदक

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक के डॉ. अरविन्दर सिंह ने जयपुर में आयोजित शूटिंग के राष्ट्रीय टूर्नामेंट में 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग की पैरा केटेगिरी में रजत पदक प्राप्त किया। 15 से 18 नवम्बर तक के. डी. सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिप में विभिन्न राज्यों से सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. सिंह ने अपने ट्रेनर बी. एन. शूटिंग रेंज के जितेन्द्र सिंह चुण्डावत का आभार जताया।

डॉ. पोसवाल बने प्राचार्य

उदयपुर। शहर के रवीन्द्रनाथ टैगोर महाविद्यालय के शिशु औषध विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. लाखन पोसवाल को महाविद्यालय का प्रधानाचार्य व नियंत्रक नियुक्त किया गया है। महाविद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. डी. पी. सिंह अब मेडिसिन विभाग के प्रभारी होंगे।

डॉ. लुहाड़िया को प्रेसिडेंशियल अवार्ड

उदयपुर। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के वक्ष एव क्षय विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस के लुहाड़िया को वक्ष रोग चिकित्सकों के राष्ट्रीय सम्मेलन नेपकोन-2019 के दौरान केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कोच्चि में डॉ. एस एन त्रिपाठी प्रेसिडेंशियल अवार्ड से सम्मानित किया। सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 3800 से भी अधिक वक्ष एवं क्षय रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

बॉक्सर आशीष सम्मानित

उदयपुर। सीपीएस के आशीष मेनारिया ने हाल ही में सम्पन्न सीबीएसई नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। इस सफलता पर उनका व उनके कोच वात्सल्य यादव का निदेशिका अलका शर्मा ने सम्मान किया।

इनरव्हील क्लब की राष्ट्रीय कांफ्रेंस

उदयपुर। इनरव्हील क्लब उदयपुर की ओर से क्लब डिस्ट्रिक्ट-305 के निर्देशन में दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'मिराशन-द इंस्पायर्ड मिराकल्स' 18 नवम्बर को अनन्ता रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ। देश-विदेश की 800 से अधिक सदस्याओं की इसमें भागीदारी रही।

क्लब की अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष फिलिसा चार्टर ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि अभिनेता रजा मुराद थे। इनरव्हील क्लब उदयपुर की ओर से शीला तलेसरा के निर्देशन में बनाए गए एप को लॉन्च किया गया। समन्वयक रेखा भाणावत ने बताया कि समारोह में इनरव्हील अंतरराष्ट्रीय

उपाध्यक्ष डॉ. वीना व्यास, बोर्ड डायरेक्टर पेट्रिशिया हिल्टन, इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 305 की चेयरमेन रचना सांघी, नेशनल गवर्निंग बॉडी के सदस्य शामिल हुए। डॉ. सुधा राजीव ने बताया कि इंग्लैंड, मलेशिया, श्रीलंका, सिंगापुर सहित अनेक देशों से भागीदारी हुई है। मुख्य वक्ता नेशनल कमीशन ऑन प्रोटक्शन ऑफ चाइल्ड के चेयरमैन प्रियंका कानूनगो थे। सचिव सुन्दरी छतवानी ने बताया कि महिला सशक्तिकरण पर समूह चर्चा हुई।

समापन समारोह में आभा गुप्ता, नगमा केशवमूर्ति को मारग्रेट गोल्डिंग अवार्ड से नवाजा गया। जिला कलक्टर आनन्दी, तैराक गौरवी सिंघवी, माला सुखवाल, मिसेज इण्डिया कृति सरूपरिया को भी विशेष सम्मान दिया गया।

निराश्रित की सहायतार्थ एप की लॉचिंग

बच्चों को स्नेहभोज

उदयपुर। एक्मे ग्रुप ऑफ कम्पनीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर निर्मल कुमार जैन व पुत्र दीपेश ने पिछले दिनों जरूरतमंद बच्चों को स्नेहभोज के साथ उपहार बांटे।

रूबी चैप्टर का आगाज

उदयपुर। बीएन आई संगठन उदयपुर संभाग के चौथे चैप्टर रूबी का उद्घाटन होटल रेडिसन में अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता ने किया। उन्होंने सदस्यों को बीएन आई के बारे में जानकारी दी। बीएन आई रूबी चैप्टर में सीए रोहन मित्तल को शाखा अध्यक्ष, विभोर मरवा उपाध्यक्ष और सिद्धार्थ लड्ढा को सचिव बनाया गया। बीएन आई के संभागीय डायरेक्टर अनिल छाजेड़ ने डॉ. आनंद गुप्ता को ग्रीन पिन व सीए रोहन मित्तल को गोल्ड पिन से सम्मानित किया।

चित्तौड़ा का सम्मान

उदयपुर। राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के प्रदेशाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने उदयपुर प्रवास के दौरान राजकीय मुद्रणालय कर्मचारी संघ के शाखाध्यक्ष एवं सूक्ष्म कृति शिल्पकार चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा का पगड़ी-उपरना द्वारा सम्मान किया। इस अवसर पर महासंघ (एकीकृत) के संस्थापक भंवर सिंह राठौड़, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम प्रकाश श्रीमाली, जिलाध्यक्ष प्रदीप गर्ग, महामंत्री दिलीप पारख, उदयपुर राजकीय मुद्रणालय के अक्षर योजक लालसिंह चौहान, मुद्रक शिवपाल मीणा सहित विभिन्न विभागीय शाखाओं के कर्मचारी व नेता उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि चित्तौड़ा राजकीय मुद्रणालय में पिछले 39 वर्षों से सेवाओं के साथ ही कर्मचारियों के हितों के प्रति समर्पित रहे हैं।

शर्मा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। पूर्व सहायक वन संरक्षक डॉ. सतीश शर्मा को पर्यावरण व वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए लाईफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सोसायटी फॉर प्रमोशन फॉर साईंस एण्ड रिसर्च, उदयपुर ने सम्मानित किया। सोसायटी के जनरल सेक्रेट्री, एसडी पुरोहित, अध्यक्ष ए. के. गोस्वामी, आदि ने उन्हें प्रशस्ति पत्र व अवार्ड दिया।

27वां दीक्षांत समारोह

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का 27वां दीक्षांत समारोह 21 दिसम्बर को संपन्न हुआ। कुलाधिपति राज्यपाल कलराज मिश्र ने 131 विद्यार्थियों को डिग्री तथा 67 को स्वर्णपदक प्रदान किए।

पार्श्व जन्म दीक्षा कल्याणक मनाया

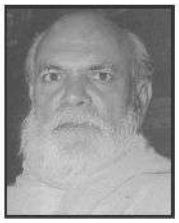

उदयपुर। आदिनाथ मानव कल्याण समिति के तत्वावधान में त्रिदिवसीय पार्श्व जन्म दीक्षा कल्याणक 20 से 22 दिसम्बर 2019 तक अनुष्ठानपूर्वक सम्पन्न हुआ। समापन पर संस्थापक सुधर्म सागरजी महाराज के सान्निध्य में समिति की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें समिति के रजत जयंती वर्ष के दौरान साधकों की पंचतीर्थ यात्रा(पार्श्वनाथजी, नागेश्वर धसांई आनंद धाम) व जावरा के आयोजन के साथ ही 16 मार्च को आदिनाथ जन्म दीक्षा कल्याणक व 3 मई को महावीर केवल ज्ञान कल्याणक के आयोजन का भी निर्णय किया गया।

सीमा मेडिकेयर सोसायटी की सदस्य

उदयपुर। राजस्थान सरकार ने राजस्थान के विभिन्न जिलों के चिकित्सालयों में मनोनयन के क्रम में उदयपुर के एमबी हॉस्पीटल में संचालित मेडिकेयर रिलिफ सोसायटी के सदस्य के रूप में प्रदेश महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष सीमा पंचोली को नामित किया है।

सुरभि सम्मानित

उदयपुर। दिल्ली में आयोजित समारोह में भारतीय जागरूक अवार्ड में उदयपुर की सुरभि मेनारिया धींग को सम्मानित किया गया। राजस्थान नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में सुरभि कार्य कर रही है। इस मौके पर सोशल मीडिया के सकारात्मक पक्ष देश भर से आई प्रतिभागियों के साथ चर्चा की गई।

शोक समाचार

उदयपुर। शाश्वत धाम के संस्थापक, गायरियावास दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष, मुमुक्ष दिगम्बर समाज के समाजसेवी कन्हैयालाल दलावत का 23 नवम्बर को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती चौसर देवी, पुत्र नरेन्द्र व राकेश, पुत्रियां शर्मिला जैन, सीमा भदावत, हेमलता वक्तावत व नीता जेकणावत व उनका सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। शहर जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री हीरालाल जी आचार्य की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा देवी का 9 दिसम्बर 2019 को गोलोकवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र राजकमल, राजविकास, राजशेखर, रंजनराज सहित पौत्र-पौत्रियों, प्रपौत्र-प्रपौत्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर पूर्व मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

उदयपुर। वास्तुविद् श्री विनोद बिहारी जी याज्ञिक के इकलौते पुत्र नीरज याज्ञिक का 9 दिसम्बर 2019 को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पिता, माता श्रीमती विद्या देवी, धर्मपत्नी श्रीमती संगीता, पुत्री नितिशा एवं सम्पन्न याज्ञिक परिवर छोड़ गए हैं। वे हंसमुख एवं व्यवहार कुशल युवक थे। उनके निधन पर डॉ. गिरिजा व्यास, पंकज कुमार शर्मा, 'प्रत्यूष' के प्रबंधक एन. के. शर्मा ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। 'प्रत्यूष' कार्यालय में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

उदयपुर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष सुन्दरलाल साहू की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज का 7 दिसम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति तथा पुत्र भरत, कमल, विजय व संजय तथा पुत्रियां पुष्पा देवी, आशा, शारदा, किरण व कविता देवी तथा उनका समृद्ध व सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर शहर जिला कांग्रेस नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

Happy New Year

Anup Kumar Jhambani
Director

Industrial Electricals

Authorised Dealer For

Schneider Electric, FLUKE Calibration, Empire CABLES, Unique CABLES, minilec, MKAY POWER CONTROLS, METRAVI THE QUALITY LEADER, ascon, HPL, "JAYKAY" Sirens, HEX AN ISO 9001 COMPANY, KAYCEE, COOPER Bussmann, connectwell ... The Right Connection, m-seal 3M

Shop No. 157-B, Shaktinagar (In the street Near RSEB-GSS) Udaipur-313 001 (Raj.)
Phone : 0294 - 2422742, 2411879, Mob. : 9829072047
E-mail : info@industrialelectricals.com, Website : www.industrialelectricals.com

निःशुल्क नेत्र सेवा प्रकल्प

सोमवार से शनिवार

तारा संस्थान

के नेत्र चिकित्सालय **तारा नेत्रालय** में निःशुल्क

PHACO पद्धति द्वारा
मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
नेत्र परीक्षण
एवं लेन्स प्रत्यारोपण
तथा चश्मे के नम्बर

236, सेक्टर 6, हिरण मगरी (जे.बी. हॉस्पीटल के पास वाली गली),
उदयपुर-313002 (राज.) भारत (+91) 9549399993, 9649399993
website : www.tarasansthan.org,

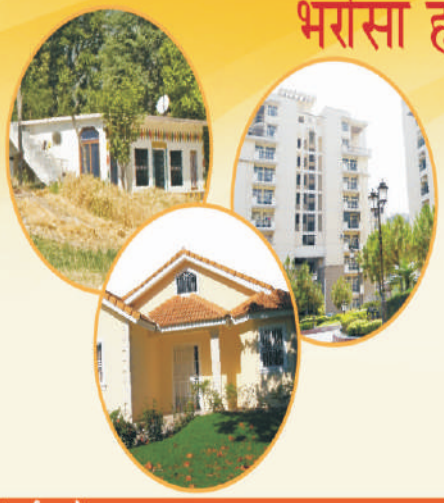

सिंडिकेटबैंक
SyndicateBank
विश्वसनीय, मैत्रीपूर्ण
Faithful, Friendly
भारत सरकार का उपक्रम A Govt. of India Undertaking
www.syndicatebank.in
सपना आपका.......
भरोसा हमारा
अनुदान के रूप में
₹2.67 लाख*
की बचत करें
₹18 लाख
तक की वार्षिक
आय वाले पात्र
सिंड निवास
आवास ऋण
• खरीदें • बनाएँ • मरम्मती • टेकओवर
परियोजना लागत के 90% तक
प्रसंस्करण प्रभारों में पूरी छूट
कम ब्याज दर
गारंटर की आवश्यकता नहीं
समयपूर्व अदायगी पर कोई दंडप्रभार नहीं
शीघ्र मंजूरी
30 वर्ष तक की चुकौती अवधि
संपर्क करें :
*पीएमएवाई योजना के तहत
ब्याज अनुदान नियम एवं शर्तें लागू

Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.
Hotel Raghu Mahal
FLAMES RESTAURANT
(Multi Cuisine)
(A Unit of Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.)
Ph :- 0294-2425694
M.:- 09649466662
Spa-Beer Bar-Banquet Hall
93, Opp. M.B. College, Darshanpura, Airport Road,Udaipur (Raj.) Tel :- 0294-2425690-93
Email :- raghumahalhotels@gmail.com Website :- www.raghumahalhotels.com

Mahindra
Rise.

महिंद्रा ट्रैक्टर्स
टेक्नोलॉजी से लबरेज

बसंत पंचमी की
हार्दिक शुभकामनाएं

यह है युवो की
रीसेल वैल्यू
गारंटी

4 साल में महिंद्रा
डीलररिप पर पाइए*
• ₹4.7 लाख रीसेल वैल्यू युवो 475DI पर
• ₹4 लाख रीसेल वैल्यू युवो 275DI पर

Mahindra
YUVO
ज़्यादा. जल्दी. बेहतर.

अधिकृत विक्रेता :
भूमिपुत्र ट्रैक्टर्स
महिन्द्रा ट्रैक्टर्स, सेल्स-सर्विस एण्ड इम्पलिमेन्ट्स

हेड ऑफिस : टोल प्लाजा के पास, N.H.27, गोगुन्दा, जिला-उदयपुर
ब्रांच ऑफिस : बस स्टेण्ड, तहसील के पास, गोगुन्दा, जिला-उदयपुर
मो.: 9772360 10, 9829262148

CHUNDA PALACE

MAJESTIC	INVITING	TRANQUIL
JOYFUL	MAGICAL	POETIC
SUBLIME	ETERNAL	INSPIRING

MUCH MORE THAN A HOTEL

1 Haridas Ji Ki Magri, Main Road,
Udaipur 313001, Rajasthan, India

Reservations: +91-294-2430251-252, 2430492
Facsimile: +91-294-2430889

E-mail: info@chundapalace.com
Website: www.chundapalace.com